बुधवार, 7 जनवरी 2026

मौसम

तापमान 12 – 23
आर्द्रता 58%
सूर्योदय: 06:18 सूर्यास्त: 17:07

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

जयपुर में जल्द स्थापित होगा डेटा सेंटर: अश्विनी वैष्णव पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : खुद पर मेहनत नहीं किया तो समाज में कठपुतली बनना पड़ेगा।

बांग्लादेश में कानून बेबस, हिंदुओं की हत्या का सिलसिला जारी

एक और हिंदू की धारदार हथियार से हत्या

व्यापारियों ने न्याय और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की

ढाका : बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के 40 वर्षीय हिंदू मालिक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार रात को हुई। इससे कुछ ही घंटों पहले बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी को सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। 'बीडीन्यूज 24' की खबर के अनुसार, पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में दुकानदार मणि चक्रवर्ती पर सोमवार रात करीब 11 बजे हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। पलाश पुलिस थाना प्रमुख (ओसी) शाहेद अल मामून ने बताया कि मणि शिबपुर उपजिला के साधरचार यूनियन निवासी मदन ठाकुर के बेटे थे। मणि चारसिंदूर बाजार में किराना दुकान के मालिक थे। हाल के सप्ताहों में मारे गए वह तीसरे हिंदू कारोबारी हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि मणि जब सोमवार रात दुकान बंद करके अपने घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार एवं स्थानीय रूप से निर्मित हथियार से वार किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि मणि की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोग उन्हें पलाश उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शाहेद ने कहा कि पुलिस घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत मौके पर पहुंची और दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नरसिंगदी सदर अस्पताल के शवगृह भेजा गया है। इससे पहले भी हिंदू समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं।

मणि चक्रवर्ती

व्यापारियों ने बनाई मानव श्रृंखला

शरत चक्रवर्ती की हत्या के विरोध में नरसिंगदी में सौ से अधिक व्यापारियों ने मंगलवार को स्थानीय मार्केट एसोसिएशन के बैनर तले न्याय की मांग करते हुए मानव श्रृंखला बनाई। व्यापारियों ने हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों की तुरंत पहचान और गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटों में दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो वे और बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में उपस्थित लोगों में चारसिंदूर बाजार एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष अंगुर भुइया, महासचिव फारुक भुइया, बांग्लादेश हिंदू महाजोत के केंद्रीय आयोजन सचिव किशोर कुमार, पलाश उपजिला अध्यक्ष लिपोन देबनाथ और अन्य स्थानीय नेता शामिल थे।

आखिर कब थमेगा बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्ल?

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं और हमले आखिर कब रुकेंगे? कब तक मंदिर तोड़े जाएंगे, घर जलाए जाएंगे और निर्दोषों की जान ली जाएगी? हर वारदात के बाद वही पुराना राग-जांच जारी है, हालात नियंत्रण में हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कट्टरपंथी बेखौफ हैं और अल्पसंख्यक असुरक्षित। क्या हिंदू होना बांग्लादेश में अपराध बन गया है? अंतरराष्ट्रीय चुप्पी और स्थानीय ढील ने हिंसा को बढ़ावा दिया है। अब सिर्फ बयान नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए-दोषियों की गिरफ्तारी, सख्त सजा और हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी। इंसानियत की यह परीक्षा कब खत्म होगी?

कोलकाता में ठंड ने तोड़ा सालों का रिकॉर्ड

मंगलवार को 10.2 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा

मौसम विभाग ने दी और ठंड बढ़ने की चेतावनी

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर समेत पूरे राज्य में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। मंगलवार का दिन इस मौसम का सबसे सर्द दिन दर्ज किया गया है, क्योंकि कोलकाता में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब जा पहुंचा है। कोलकाता में जनवरी महीने की ठंड ने इस बार सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मंगलवार को शहर का न्यूनतम तापमान गिरकर 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो जनवरी में अब तक का सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार, इससे पहले जनवरी में कोलकाता का तापमान कभी इतना नीचे नहीं गया था। शहर के उपनगरों और आसपास के इलाकों में कई जगहों पर तापमान 10 डिग्री से भी नीचे चला गया। मंगलवार के तड़के कोलकाता में हल्की धुंध की चादर भी देखी गई। वहीं, आसपास के जिलों में सोमवार की देर रात से ही घनी धुंध छाई रही। सुबह के समय उपनगर और आसपास के इलाके धुंध में ढके रहे। पिछले 15 वर्षों में जनवरी महीने में केवल एक बार ही कोलकाता का तापमान 11 डिग्री से नीचे गया था। वर्ष 2023 में जनवरी के दौरान न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री दर्ज किया गया था, लेकिन इस बार वह रिकॉर्ड भी टूट गया। इससे पहले वर्ष 2012 में दिसंबर महीने में एक बार तापमान 10 डिग्री तक गिरा था। वहीं, 1965 के दिसंबर में तापमान 7.2 डिग्री तक पहुंच गया था। मौसम विभाग ने बताया है कि चालू सप्ताह में कोलकाता समेत गंगा के मैदानी दक्षिण बंगाल के जिलों में तापमान में और गिरावट हो सकती है। बुधवार और गुरुवार को दक्षिण बंगाल में रात का तापमान करीब दो डिग्री और कम हो सकता है। इसके बाद, अगले चार से पांच दिनों तक तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान भी सामान्य से तीन से पांच डिग्री कम बना रह सकता है।

विधानसभा चुनाव : एक या दो चरण में मतदान पर विचार, केंद्रीय बलों की तैनाती दोगुनी होने के आसार

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती पिछले चार चुनावों की तुलना में लगभग दोगुनी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग के समक्ष राज्य की ओर से जो आवश्यकता रखी गई है, उसके आधार पर इस बार लगभग 2000 कंपनियों की तैनाती की जरूरत पड़ सकती है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने सोमवार को नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती एक प्रमुख एजेंडा रहा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, यदि चुनाव आयोग इस बार मतदान एक या अधिकतम दो चरणों में कराने का फैसला करता है, तो इसके लिए 2000 कंपनियों की जरूरत होगी। सूत्रों ने बताया कि कम चरणों में चुनाव कराने के अपने फायदे और नुकसान दोनों हैं। फायदा यह होगा कि राजनीतिक दल एक इलाके से दूसरे इलाके में समर्थकों को ले जाकर मतदान के दिन या उससे पहले मतदाताओं को डराने जैसी पारंपरिक शिकायतों को अंजाम नहीं दे पाएंगे। हालांकि, एक या दो चरणों में चुनाव कराने की स्थिति में मतदान के दिन सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की जरूरत पड़ेगी। यदि चुनाव आयोग इस स्तर की व्यवस्था सुनिश्चित कर पाता है, तो कम चरणों में चुनाव कराना पूरी तरह संभव माना जा रहा है।

यूपी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी, 2.89 करोड़ नाम कटे

लखनऊ : चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया के बाद कुल 12.55 करोड़ मतदाताओं के नाम इस सूची में शामिल किए गए हैं। पहले कुल 15.44 करोड़ मतदाता थे। इनमें से 2.89 करोड़ यानी क़रीब 18.70% नाम काट दिए गए। इतने नाम देश के किसी अन्य राज्य में नहीं कटे हैं। ये नाम इसलिए काटे गए क्योंकि या तो लोगों की मौत हो चुकी है या फिर वे अपना पता बदल चुके थे, गायब थे या एक से ज्यादा जगह पर उनका नाम था। लेकिन कुछ लोगों का आरोप है कि 2003 की मतदाता सूची में नाम होने, इस बार फॉर्म भरने, पूरे कागजात जमा करने के बाद भी नाम कट गए। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स यानी बीएलओ इन लोगों को ढूंढ नहीं पाए या इनसे फॉर्म नहीं मिले। ये लोग या तो हमेशा के लिए दूसरी जगह चले गए, पोलिंग एरिया से गायब थे या 26 दिसंबर 2025 तक फॉर्म नहीं जमा कर पाए। बड़े पैमाने पर नाम कटने से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'इससे पहले कि मतदाताओं का रोष आक्रोश बनकर आंदोलन का रूप ले ले, चुनाव आयोग मैनपुरी में एसआईआर से कटे वैध नामों के लिए संज्ञान लेकर मतदाता सूची दुरुस्त कराए।'

एसआईआर : 'प्रक्रियात्मक अनियमितताओं' के खिलाफ तृणमूल सांसद ने सुप्रीम कोर्ट का किया रुख

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन ने राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मनमानी और प्रक्रियात्मक अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका में दावा किया गया है कि राज्य में निर्वाचन आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से ही जमीनी स्तर के अधिकारियों को निर्देश जारी करने के लिए औपचारिक लिखित निर्देशों के बजाय व्हाट्सएप संदेशों और वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान दिए गए मौखिक निर्देशों जैसे अनौपचारिक और विधानेतर माध्यमों का सहारा लिया है। इसमें कहा गया है कि निर्वाचन आयोग मनमाने ढंग से, अप्रत्याशित तरीके से या कानून के दायरे के बाहर जाकर काम नहीं कर सकता, न ही यह कानूनी रूप से निर्धारित प्रक्रियाओं की जगह तदर्थ या अनौपचारिक तंत्रों का सहारा ले सकता है। ओब्रायन ने यह अर्जी अपनी लंबित याचिका के साथ दाखिल की है, जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों में एसआईआर के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आदेश और दिशा-निर्देशों को चुनौती दी है।

पर्यटन के नियमन व हरित कर की जरूरत

सर्दियों में बर्फबारी के सम्मोहन में खिंचे चले आए पर्यटकों से आजकल पहाड़ी क्षेत्रों के पर्यटन स्थल खचाखच भरे हैं। यह स्थिति शिमला-मनाली, डलहौजी-धर्मशाला से लेकर उत्तराखंड के मसूरी तक बनी हुई है। निस्संदेह, पर्यटन से स्थानीय रोजगार व राजस्व में तो वृद्धि होती है, लेकिन साथ ही हमेशा की तरह अव्यवस्था भी पैदा होती है। खासकर स्थानीय लोगों की दैनिक जीवनचर्या बुरी तरह प्रभावित होती है। कई-कई किलोमीटर तक वाहनों से लगे जाम, पानी की कमी, अनियंत्रित निर्माण को बढ़ावा तथा लगातार बढ़ता कचरा कभी-कभार होने वाली परेशानियां नहीं रही। दरअसल, ये संरचनात्मक चेतावनियां हैं। हकीकत में, मूलत: अंग्रेजों द्वारा बसाये गए पहाड़ी पर्यटन स्थल अब पर्यटकों के अप्रत्याशित दबाव को झेल रहे हैं। दरअसल, ये पहाड़ी स्थल इतने अधिक पर्यटकों व वाहनों के दबाव झेलने के लिए बनाये ही नहीं गए थे। आजादी के बाद नीति-नियंताओं ने ऐसे दूरगामी निर्णय नहीं लिए, जो वर्तमान चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकें। दरअसल, मौजूदा संकट दूरदर्शी नियोजन के अभाव में पैदा हुआ है। निश्चय ही पहाड़ी राज्यों की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग की बड़ी भूमिका होती है। लेकिन इसके लिये बुनियादी ढांचे के संवर्धन के मुद्दे को संबोधित नहीं किया गया। यही वजह है कि दशकों पहले बनी सड़कें यातायात के बोझ से चरमरा रही हैं। पहाड़ी पर्यटक स्थलों की पार्किंग व्यवस्था दोषपूर्ण और अपर्याप्त है। आवागमन के लिये निजी वाहनों का दबाव कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन अपर्याप्त है, जिसके चलते पर्यटन का पीक सीजन आने पर आपातकालीन सेवाओं पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। वैसे ये स्थितियां पर्यटकों के लिए भी कम कष्टदायक नहीं हैं। दरअसल, देश के दूरदराज के इलाकों से आए पर्यटक यहां आते तो सुकून व शांति की तलाश में हैं, लेकिन अव्यवस्था से खिन्न होकर लौटते हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह भी है कि स्थानीय लोग भी पारिस्थितिकीय और सामाजिक लागतों का बोझ उठाने को मजबूर हो जाते हैं, जिसके लिए वे सत्ताधीशों की बजाय पर्यटकों को जिम्मेदार मानते हैं।

इसके इतर आज सबसे बड़ी चिंता बेलगाम पर्यटन संस्कृति के घातक पर्यावरणीय परिणाम की है। दरअसल, हिमालयी शृंखला की पहाड़ियां अपेक्षाकृत नई और संवेदनशील हैं। पहाड़ी पर्यटन स्थलों की नाजुक ढलानों पर अनियंत्रित निर्माण ने बड़े भू-भाग को अस्थिर किया है। कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों के चलते बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा कई गुना बढ़ाया है। दरअसल, पहाड़ी इलाकों में विकास के नाम पर और लकड़ी माफिया द्वारा पेड़ों का जो निर्मम कटान हुआ है, उससे पहाड़ों की स्थिरता प्रभावित हुई है। पहाड़ों में प्राकृतिक जल स्रोतों का प्रवाह भी बाधित हुआ है। अवैज्ञानिक ढंग से बनायी गई सीवरेज व्यवस्था पहाड़ों के लिए घातक साबित हो रही है। कई राज्यों में पानी की अवैज्ञानिक निकासी धंसाव व भूस्खलन की वजह भी बनी है। फलत: कभी स्वच्छता के लिये पहचान रखने वाले हिल स्टेशन आज संकटग्रस्त हो चले हैं। अनियंत्रित शहरीकरण के चलते आपदा जैसी स्थितियां वर्षा ऋतु में पैदा हो रही हैं। बरसात के मौसम में लगातार बादल फटने की घटनाओं के चलते विनाशकारी बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हुई हैं। दरअसल, नीतिगत बदलावों के लिये आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी अभाव दिखा है। ऐसा भी नहीं है कि पर्यटन क्षमता में विस्तार से जुड़े अध्ययन उपलब्ध न हों, लेकिन शायद ही कभी उनका अनुपालन किया जाता हो। यही वजह है कि पहाड़ी पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की आवाजाही अनियंत्रित रहती है। विडंबना यह है कि नीति-नियंता इन पर्यटक स्थलों की स्थिरता की तुलना में अल्पकालिक व्यावसायिक लाभों को प्राथमिकता देते हैं। दुनिया के तमाम देशों ने अपने पर्वतीय पर्यटक स्थलों को पर्यटकों की भीड़ से सुरक्षित रखने के लिये जरूरी कदम उठाये हैं। उन्होंने पर्यटन को सीमाओं में बांधा है। वहां हरित कर लगाया है ताकि उससे होने वाली आय से प्राकृतिक परिवेश को पर्यटन से हुए नुकसान की भरपाई की जा सके। साथ ही उन्होंने सख्ती से जोनिंग व्यवस्था लागू करके तथा आजीविका को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यटन स्थलों का विकेंद्रीयकरण किया है। पर्यटकों के आकर्षण को बनाए रखने और स्थानीय लोगों के रहने के अनुकूल माहौल बनाने हेतु शासन-प्रशासन को कदम उठाने होंगे।

आज का पंचांग

कोलकाता : 7 जनवरी, बुधवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, माघ कृष्णपक्ष चतुर्थी, 06:53 तक, नक्षत्र : मघा, 11:57 तक, योग : आयुष्मान, 18:38 तक, सूर्योदय: 06:18, सूर्यास्त: 17:07, चन्द्रोदय : 21:12, चन्द्रास्त: 09:17, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 11:42 से 13:02

राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में अचानक कुछ बदलाव सामने आ सकते हैं। हालांकि, इससे आप घबराने वाले नहीं हैं। कानूनी या नियमों से जुड़ी उलझन को लेकर आप थोड़े परेशान रह सकते हैं।

वृष : दूसरों के भरोसे लाभ कमाने की सोच से आपको बाहर निकलना होगा। कभी-कभार ये तरीका चल सकता है, लेकिन हमेशा कारगर नहीं रहेगा।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों दिन आज ठीक-ठाक ही गुजरता दिख रहा है। दिन के पहले हिस्से में आपको कुछ उपलब्धियां मिल सकती हैं। परिवार के साथ हंसी-मजाक में गुजरेगा।

कर्क : आज का दिन काफी क्रिएटिव रहने वाला है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम पूरे होते जाएंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

सिंह : सिंह राशि के जातकों को मेहनत का फल मिलना शुरू होगा। आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। संयम और सकारात्मक सोच से माहौल खुद ब खुद आपके पक्ष में आ जाएगा।

कन्या : आज के दिन कन्या राशि के लोगों को संभलकर रहना होगा। दूसरों की जरूरतों को अपने काम से ऊपर रखने से नुकसान हो सकता है। अपना महत्वपूर्ण समय दूसरों पर बर्बाद करने से बचें।

तुला : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भर रहना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। अपनी शर्तों पर काम करना आपके लिए इस समय बेहद जरूरी रहेगा। अपना ध्यान भटकने न दें।

वृश्चिक : आज कुछ भावनात्मक मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं। आपकी करुणा और उदारता कभी-कभी आपके लिए परेशानी का कारण बन सकते हैं। आप अपने दिन को लाभकारी बना लेंगे।

धनु : आज के दिन धनु राशि के जातकों को काफी समय बाद कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। कोई जरूरी काम पूरा होने से भविष्य में लाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर : मकर राशि वाले आज कुछ उलझनों में घिरे रह सकते हैं। निजी जीवन और कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ा रहेगा। आज के दिन वाहन से जुड़ी कोई समस्या भी परेशानी खड़ी कर सकती है।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों को आज के दिन खुद पर भरोसा बनाए रखना होगा। थोड़ी सी कोशिश आपको वहां तक ले जाएगी जहां आप लंबे समय से पहुंचना चाह रहे थे।

मीन : मीन राशि वाले आध्यात्मिक विचारों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। इसका असर आपके व्यवहार में भी दिखाई देगा। काम में संयम और गंभीरता आपको दूसरों से अलग पहचान दिलाएगी।

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुग: बदली सोच, उभरी शक्ति

ललित गर्ग

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह बाहरी शक्ति है- भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को सहायता पाने वाली नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है।

माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है। -लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

दरकते विश्वास, टूटते रिश्ते और सोशल मीडिया

विगत अनेकों वर्षों में ऐसा देखा गया है की सोशल मीडिया एक आवश्यकता नहीं रही बल्कि अब एक आदत एक नशा एक लत बन गई है हर उम्र का व्यक्ति इसका एडिक्ट हो चुका है। इसके नशे में हर धर्म जाति, भाषा, लिंग के व्यक्ति उतर कर, डूब चुके है। आप अपने घर के खिड़की दरवाजे बेशक बंद कर ले लेकिन आपने सोशल मीडिया को अपने ड्राइंग रूम अपने डाइनिंग टेबल यहां तक कि अपने शयनकक्ष तक में भी प्रवेश दे दिया है आप सो जाते है लेकिन आपकी छवि आपका वीडियो सोशल मीडिया पर जागता रहता है, दूसरों के मनोरंजन का साधन बन कर और इसके लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है बल्कि आप स्वयं जिम्मेदार हैं अपनी निजता को हमने सोशल मीडिया पर चंद पैसों के लिए कुछ लाइक के लिए गिरवी रख दिया है जिन घटनाओं को, छोटी-छोटी बातों को पहले कोई किसी से साझा करना भी पसंद नहीं करता था अब वही बातें लोग बन ठन कर वीडियो बना कर खुद सोशल मीडिया पर परोस रहे है।

आधे अधूरे अधनंगे कपड़ों में आपका शरीर ही नहीं दिखता बल्कि आपके पारिवारिक संस्कार भी दिखते है।

प्यार और समर्पण के नाम पर प्री वेडिंग शूट बेबी बंप और सुहागरात के वीडियो आपकी कुत्सिक गंदी सोच और मानसिकता का भौंडा प्रदर्शन मात्र ही कहे जाएंगे। बेशक आप स्वयं जो भी समझें।

कुछ दिन पहले एक संगोष्ठी में यह भी सुनने को आया कि अब बहु की मुंह दिखाई नहीं होती क्योंकि सारे मुहल्ले और शहर के लोग बहु के नाचते गाते अधनंगे वीडियो को सोशल मीडिया पर लाइक करके उसका मुंह ही नहीं बहुत कुछ देख चुके होते है।

सोचिए कितना पतन हो चुका है समाज का हमारा।अब तो यह तय करना भी बेहद मुश्किल हो चुका है कि सोशल मीडिया के बिना भी जीवन हो पाएगा क्या।

लेकिन ठहरिए इसके परिणाम आने शुरू हो चुके हैं और अब अपनी निजता को खुद ही सोशल साइटें पर फेंक कर गंदगी फैलाने वाले लोग हाय तौबा मचाने लगे है भले ही अभी ये संख्या कम है एक भारतीय सभ्य समाज जहां हमारे पूर्वजों ने एक परिकल्पना के तहत बैठकी घर के बाहर दरवाजे के पास रखी थी ताकि अंदर क्या हो रहा है उसे बैठकी में बैठे बाहरी लोगों को पता नहीं हो। अंग्रेजी संस्कृति की अंधाधुंध नकल के शिकार हम लोगों ने ड्राइंग रूम घरों के अंदर बनवाना शुरू किया फिर कुछ भी प्राइवेट नहीं रह गया उसके बाद सोशल मीडिया का चलन शुरू हुआ तो एक होड़ सी मच गई अपने अंदर छिपी कला को बाहर लाने के बहाने लोगों ने पूरी गंदगी मचा दी जिसे देखो नच रहा रिल बना रहा बबेसीर पैर कुछ भी सोशल मीडिया कुछ दिनों तक शुरू-शुरू में तो अच्छा लगा लेकिन फिर धीरे-धीरे उसने अपना रंग दिखाना शुरू किया किशोर युवा जिनको बिल्कुल भी नहीं पता कि जो वह कर रहे हैं जो दिखा रहे हैं जो रील शूट कर रहे हैं वह आगे उनके लिए कैसी मुसीबत लेकर आएगा। आए दिन आप अखबारों में, टीवी पर न्यूज में पढ़ते देखते है कि युवा ट्रेन से कट गए ,गिर गए हाईवे पर बाइक पर तरह तरह के स्टंट करते हुए रील बनाने के चक्कर में मौत हो गई यहां तक तो सब कुछ चल ही रहा था।

अब सोशल मीडिया हमारे परिवारों को भी तोड़ना शुरू कर दिया है आलेख के शीर्षक की बात कर रहा हूं दरकते रिश्तों की आपबीती में कितने रिश्ते टूट गए। विगत दिनों इंदौर से खबर आई 40 दिन के अंदर में 150 शादियां टूट गई और इन शादियों के टूटने का कारण क्या था , जान कर आपको आश्चर्य होगा 68 प्रतिशत जो शादियां टूटी है उसका कारण सोशल मीडिया है 17% प्रतिशत रिश्ते परिवार में किसी के निधन या परिवार परेशानियों के कारण टूटे, जबकि 13% शादियां पति-पत्नी के आपस में नहीं बनने के कारण टूटे और बाकी के 8% अन्य कारणों से यह आंकड़े भयावह है डराने वाले किस तरफ जा रहे हैं हम। इन घटनाओं ने प्रबुद्ध जनों को अंदर तक हिला डाला है ऐसा नहीं कि इतनी ही घटना हुई है देश में। राष्ट्रीय परिदृश्य और भी डरावना होगा। उनके आंकड़े अभी सामने नहीं आए। उन्हें समाचार पत्रिका टीवी न्यूज़ में जगह नहीं मिला इसलिए हम अभी उनसे बेखबर हैं उम्मीद की किरण बस इसी में है कि भारतीय जनमानस इसकी संस्कृति ऐसे छलावो को कुछ दिनों के लिए बेशक स्वीकार कर ले लेकिन आत्मसात नहीं कर पाता क्योंकि अंदर में बैठा हुआ संस्कार उसे ऐसा करने की मंजूरी नहीं देता सहमति नहीं देता। इन 150 रिश्तों के टूटने में भी यही हुआ जिस दिन इन जोड़ों की शादी होने वाली थी उसके ठीक 1 दिन पहले, या सगाई के दो दिन बाद लड़के या लड़की में से एक किसी और के साथ अंतरंग पल बिता रहे थे संबंध बना रहे थे और बना ही नहीं रहे थे बल्कि उसकी उन्होंने यादगार के रूप में वीडियो भी बनाई फिर उन्हीं जोड़ों में से किसी एक ने उसकी रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर शेयर कर दी की और जानने वालों के पास जब ये पहुंचा तो हंगामा हुआ और फिर वही हुआ जो होना चाहिए था अनुमानित था, रिश्ते टूट गए इस पूरे मामले में किसी एक पक्ष को आप दोषी नहीं मान सकते लडकियों ने भी वही किया जो लड़कों ने किया नैतिकता का इस हद तक पतन किसी समाज के लिए खतरे की घंटी है आप ऐसी घटनाओं की अनदेखी नहीं कर सकते इसीलिए मैंने ऊपर लिखा पाश्चात्य दिखावे और चलन को कुछ देर के लिए स्वीकार तो कर सकता है लेकिन आत्मसात नहीं कर सकता। किसी भी युवा को उसके पार्टनर का इस तरह किसी और के साथ घूमना और संबंध बनाना कतई स्वीकार नहीं होता। ये लड़का लड़की दोनों के लिए एक जैसा ही है। चलिए पिछला पास्ट भी कुछ लोग भुला दें क्योंकि पास्ट दोनों का ही कलंकित रहा लेकिन उन्हें शादी के एक दिन या कुछ दिन पहले उनका किसी और से संबंध बनाना स्वीकार नहीं स्वाभाविक है जब आप दो नाव पर पैर रखेंगे तो डूबना तय है।हो सकते है कुछ कुशल तैराक हो सकते है दोनों नाव से नीचे गिर करके भी तैर कर किनारे लग जाए लेकिन सभी ऐसेनहीं होते। गंभीर विषय है परिवार को समाज को यह सोचना होगा इस सोशल मीडिया के बढ़ते हुए दुष्प्रभाव पर जिसके कारण हमारी सभ्यता संस्कृति और परिवारों पर संकट आ चुका है। इससे कैसे बाहर निकला जाए। वातावरण बनाना होगा, युवा हो नहीं बड़े बुजुर्गों को भी समझाना और समझना होगा।

निजता जीवन में बहुत बड़ा स्थान रखती है इस तरह बाहर वाले लोगों को बिना घर बुलाए अपनी निजता दिखाकर आपको क्या हासिल हो सकता है यह सुरक्षा के नजरिए से भी घातक हो सकता है। अभी भी समय है सुधारना होगा सोच को इसका उपाय हल निकालना पड़ेगा नहीं तो समाज टूट जाएगा मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है दशक पहले तलाक शब्द वर्षों में कभी यदाकदा ही सुनने में आता था और आज महानगरों में अगर 10 युवाओं से मुलाकात होती है तो उसमें से सात सेपरेटेड कहते हैं खुद को कितने इन उदाहरण को दिखा कर शादी के सिस्टम को ही नकार रहे हैं कहां जाएगा यह देश अगर यही चलता रहा तो।यह सिर्फ हमारी नहीं बल्कि कार्यपालिका विधायिका और न्यायपालिका तीनों के लिए एक चुनौती है। यहां लिखना चाहूंगा कि हमारी न्यायपालिका कभी-कभी कुछ ऐसे निर्णय दे देती हैं जिस पर दुख भी होता है और गुस्सा भी आता है मसलन लिव इन रिलेशन यह भारत की संस्कृति कतई नहीं है। एक कोठा संस्कृति की शुरुआत करके क्या सिद्ध करना चाहते है माननीय, बिस्तर की चादर की तरह पार्टनर बदल कर कौन सा बदलाव लाना चाहते हो। सोचना होगा परिवार को समाज को देश को सत्ता को यदि लोक जीवन में संस्कार बचाना है। -अमरेश शुक्ल

विदेश की खबरें

हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध के कारण हुई, आरोपपत्र में 17 लोग नामजद: बांग्लादेश पुलिस

ढाका/नयी दिल्ली : बांग्लादेश पुलिस ने मंगलवार को कहा कि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध के कारण अवामी लीग के इशारे पर की गई थी। उसने बताया कि पुलिस ने हादी की हत्या के सिलसिले में 17 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोपपत्र दायर किया है। समाचार पोर्टल 'टीबीएस न्यूज डॉट नेट' ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) की खुफिया शाखा के अतिरिक्त आयुक्त मोहम्मद शफीकुल इस्लाम के हवाले से प्रसारित खबर में कहा, हादी ने सार्वजनिक रैलियों और सोशल मीडिया के माध्यम से अवामी लीग और छात्र लीग की पिछली गतिविधियों की कड़ी आलोचना की थी। उनकी मुखर टिप्पणियों से छात्र लीग और उससे संबद्ध संगठनों के नेता व कार्यकर्ता खासे नाराज थे। छात्र लीग अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग का छात्र संगठन है। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

ईरान: विरोध-प्रदर्शनों में अब तक '35 लोगों की मौत, 1,200 हिरासत में

दुबई : ईरान में अर्थव्यवस्था की खस्ताहाल स्थिति और राजनीतिक दमन को लेकर एक हफ्ते से अधिक समय से जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। एक मानवाधिकार एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस बीच, ईरान सरकार ने देश के पश्चिमी प्रांत ईलम में हिंसा की बात स्वीकार की है, जहां सुरक्षाबलों ने एक अस्पताल पर कथित तौर पर धावा बोला और आम नागरिकों पर गोलीबारी भी की। अमेरिका की 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि ईरान के 31 प्रांतों में से 27 में 250 से अधिक स्थानों पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। उसने बताया कि इन विरोध-प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 29 प्रदर्शनकारी, चार बच्चे और ईरानी सुरक्षा बल के दो सदस्य मारे गए हैं।

वर्ग पहेली नं. 3314

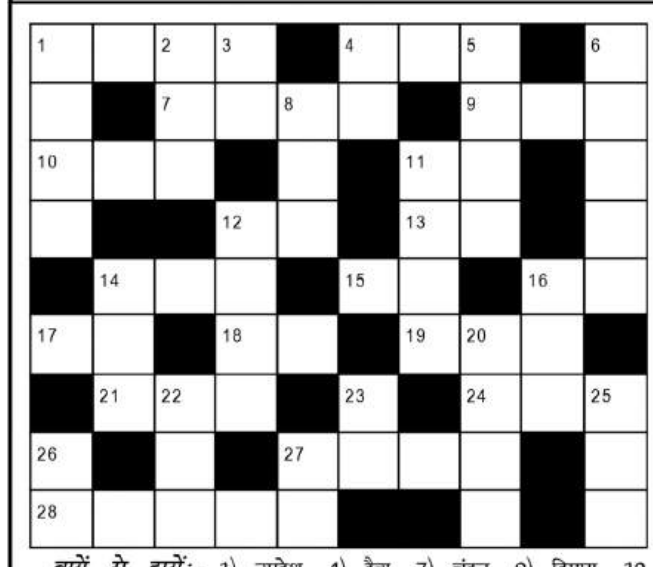

बायें से दायें:- 1) उपदेश, 4) दैत्य, 7) चंदन, 9) दिमाग़, 10 रसदार, 11) पर्यन्त, 12) तकलीफ़, 13) कमरा, 14) सब, 15) एक धातु, 16) धंधी; बनानेवाला; सामान, 17) कुकड़ू कूँ, 18) खनिज पदार्थ, 19) दया, 21) परंतु, 24) कवच, 27) चापलूस , 28) असफलता.

ऊपर से नीचे:- 1) गायब, 2) प्रहार; धावा, 3) पेंदा, 4) हुकूमत, 5) बराबरी का, 6) उपेक्षित, 8) जितना चाहिए उतना, 11) भाग्य, 12) नाविक, 14) नदियों के मिलने का स्थान, 16) मुक़ाबला, 20) लालसा, 22) उष्ण, 23) कड़ुआ, 25) क़ातिल, 26) पारदर्शी; महीन, 27) कुंजी. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

अ	धि	क	त	म	■	बो	ल	बा	ला
ड़ो	■	टा	■	स	ज	ना	■	ह	■
स	मी	क्ष	क	■	मा	■	ब	र	सी
प	■	■	व	ज़्	न	दा	र	■	त
ड़ो	■	स	च	■	त	■	त	र	ह
स	चि	त्र	■	उ	दा	सी	न	■	र
■	थ	■	अं	ब	र	■	■	गु	ण
उ	ड़ा	न	■	ट	■	गु	हा	र	■
लू	■	स	ह	न	शी	ल	■	गा	ढ़ा

सुडोकू-पहेली-3272

8	4		5					
					2			7
							1	
	8			6		7		
	2					3		
6		3		1				4
1			3		5	2		
				2				9
		9				4		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3271 का उत्तर

9	8	5	1	4	2	6	7	3
2	4	6	3	7	5	1	9	8
3	1	7	6	9	8	5	2	4
1	5	4	7	2	3	8	6	9
6	7	9	8	5	4	2	3	1
8	2	3	9	6	1	4	5	7
7	3	8	2	1	6	9	4	5
5	6	1	4	3	9	7	8	2
4	9	2	5	8	7	3	1	6

'भाजपा आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप से एसआईआर करा रहा चुनाव आयोग'

❑ **ममता ने लगाया गंभीर आरोप**

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग राज्य में एसआईआर अभ्यास को कराने के लिए भाजपा के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए दो दिन की यात्रा पूरी करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इस दौरान, उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चुनाव आयोग 'हर तरह के गलत तरीके' अपना रहा है। वह योग्य मतदाताओं को मृत घोषित कर रहा है और बुजुर्ग, बीमार और असहाय लोगों को सुनवाई में आने के लिए मजबूर कर रहा है। वह इस काम के लिए भाजपा के आईटी सेल के बनाए मोबाइल एप का इस्तेमाल कर रहा है। यह अवैध, असांविधानिक और अलोकतांत्रिक है। ऐसे नहीं चल सकता। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर को कराने के लिए आयोग ने मनमाने और प्रकिया के खिलाफ कदम उठाए हैं। ममता ने कहा कि मैं जनता से अपील करती हूं कि एसआईआर में भाग लेते समय सतर्क रहें। जो लोग जरूरतमंद हैं, उनके साथ खड़े रहें। उन्हें मेरा समर्थन करने की जरूरत नहीं है, केवल लोगों का साथ दें, जो इस प्रक्रिया की वजह से परेशानी में हैं।

एसआईआर : चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के कर्मचारियों से मांगा घोषणा पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बंगाल सरकार के कर्मचारियों से यह घोषणा करने को कहा है कि वे (डबल वोटर) दोहरे मतदाता नहीं हैं। यानी, उनके नाम मतदाता सूची में दो स्थानों पर दर्ज नहीं हैं। साथ ही, आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी राज्य सरकार के कर्मचारी का नाम दो स्थानों पर दर्ज है, तो यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि वे संबंधित बूथ अधिकारी से संपर्क करें और अपना नाम एक स्थान से हटवाएं। आयोग द्वारा दिए गए निर्धारित प्रपत्र में, प्रत्येक राज्य सरकार के कर्मचारी को पश्चिम बंगाल के मतदाता के रूप में अपनी वर्तमान स्थिति का विवरण देना होगा। इसी प्रपत्र में, उन्हें यह भी बताना होगा कि वे एक से अधिक स्थानों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं या नहीं। यदि किसी भी कारण से, जैसे निवास स्थान में परिवर्तन होने पर, मतदान स्थल में बदलाव हुआ है, तो इसकी जानकारी भी निर्धारित प्रपत्र में देनी होगी। यदि नाम एक ही स्थान पर दो हैं, तो राज्य सरकार के कर्मचारियों को यह भी बताना होगा कि क्या उन्होंने पहले किसी एक स्थान से अपना नाम हटवाने के लिए आवेदन किया था या नहीं। वर्तमान में, पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार के कर्मचारियों की कुल संख्या 10 लाख है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक सूत्र ने बताया कि इस घोषणापत्र को मांगकर आयोग राज्य सरकार के कर्मचारियों की जवाबदेही तय करना चाहता है ताकि कोई भी कर्मचारी दो बार मतदाता न बने।

दारिभिट कांड में हाईकोर्ट से राज्य को बड़ा झटका, एनआईए जांच बरकरार

कोलकाता : दारिभिट कांड को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में राज्य सरकार को बड़ा झटका लगा है। मामले में एनआईए जांच के सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका को डिवीजन बेंच ने खारिज कर दिया है। इसके साथ ही दारिभिट कांड में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच जारी रहेगी। मंगलवार को न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति सुप्रतिम भट्टाचार्य की डिवीजन बेंच ने लंबी सुनवाई के बाद राज्य की अपील नामंजूर कर दी। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि इस मामले में एनआईए पहले से जांच कर रही है और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा। गौरतलब है कि 20 सितंबर 2018 को उत्तर दिनाजपुर के दारिभिट हाई स्कूल में शिक्षक नियुक्ति को लेकर इलाके में भारी तनाव फैल गया था। पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हुई, जिसमें गोली लगने से स्कूल के दो पूर्व छात्र–राजेश सरकार और तपस बर्मण–की मौत हो गई थी। आरोप है कि पुलिस की गोली से दोनों युवकों की जान गई, हालांकि पुलिस ने गोली चलाने के आरोप से इनकार किया था। मई 2023 में न्यायमूर्ति राजशेखर मान्था की सिंगल बेंच ने दारिभिट कांड की जांच एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार डिवीजन बेंच में गई थी, लेकिन उस समय भी अदालत ने कोई अंतरिम स्थगनादेश नहीं दिया था। मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद अब राज्य की याचिका खारिज कर दी गई है। डिवीजन बेंच के इस फैसले के बाद अब नजर इस बात पर है कि राज्य सरकार आगे कोई नया कानूनी कदम उठाती है या नहीं।

संदेशखाली में पुलिस टीम पर हमला मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में पुलिस की टीम पर हमला करने और पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ करने के मामले में फरार मुख्य आरोपी तृणमूल कार्यकर्ता मूसा मोल्ला को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर संदेशखाली के हुलो पारा से मूसा मुल्ला को गिरफ्तार किया। मूसा की गिरफ्तारी के साथ इस मामले में पकड़े गये आरोपियों की संख्या 13 हो गयी है। इससे पहले रविवार की देर रात मूसा के बड़े भाई मुर्तजा मोल्ला और उसके 2 बेटों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि नैजाट थाना क्षेत्र के बयारमोरी 2 नंबर ग्राम पंचायत के चुंचड़ा इलाके में तृणमूल कार्यकर्ता मूसा मोल्ला पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप है। वह शेख शाहजहां का करीबी है।

तृणमूल सरकार चाय बागान श्रमिकों की उपेक्षा कर रही : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर स्थानीय समुदायों और चाय बागान मजदूरों के हितों की उपेक्षा करने और अवैध अप्रवासियों की रक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ चाय बागानों के श्रमिकों को पिछले कुछ महीनों से वेतन नहीं मिला है, और दावा किया कि राजबंशी जैसे कई आदिवासी समुदायों को तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, क्योंकि वे सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक समर्थन का आधार नहीं हैं। उत्तर बंगाल में चाय उद्योग की भयावह तस्वीर पेश करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य शासन के दौरान इसे 'पूरी तरह से नष्ट' कर दिया गया। विपक्ष के नेता ने दावा किया कि कई बागानों में श्रमिकों को पिछले चार. पांच महीनों से वेतन नहीं मिला है। भाटखावा और मधु जैसे बागान बंद हैं, जबकि कई अन्य बागान नाजुक स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि राज्य सरकार लंबित वेतन जारी करे। भाजपा नेता ने राज्य सरकार पर चाय बागानों की जमीन को व्यावसायिक उपयोग के लिए स्थानांतरित करने में मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को संरक्षण देने की कोशिश कर रही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों और रोहिंग्या को मतदाता सूची में रखने के लिए तीन बार पत्र लिखे, लेकिन उन्होंने चाय बागान श्रमिकों के लिए यह मांग एक बार भी नहीं उठाई।

गंगासागर मेला : एसआईआर न हो प्रभावित, चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। इस बीच, दक्षिण 24 परगना के सागर द्वीप में गंगासागर मेला लगने जा रहा है। इस दौरान, जिले के अधिकारी और कर्मचारी मेले की व्यवस्था में व्यस्त रहेंगे। इसके मद्देनजर चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखकर कहा है कि अन्य जिलों के अधिकारियों को सागर इलाके में तैनात किया जाये, ताकि एसआईआर की रफ्तार धीमी न पड़े। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल ने मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को इस संबंध में पत्र लिखा है। पत्र में, सीईओ ने अपील की है कि गंगासागर मेले के दौरान दूसरे जिलों से अधिकारियों की तैनाती की जाये, ताकि दक्षिण 24 परगना जिले में एसआईआर से जुड़ी सुनवाई प्रक्रिया पर किसी तरह की रुकावट न हो। बता दें कि सीईओ मनोज अग्रवाल इस समय दिल्ली में हैं। वहां उनकी बैठक उप–चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआइसी) की उप–महानिदेशक सीमा खन्ना के साथ हुई है। इस बैठक में राज्य के जिलाधिकारियों को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा गया था।

बाबूघाट में रिकॉर्ड भीड़ के लिए प्रशासन मुस्तैद, संतों ने किया हिंदुत्व का आह्वान

अरुण गुप्ता

कोलकाता, समाज्ञा : हर साल, मकर संक्रांति के मौके पर गंगासागर में पवित्र डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं के साथ–साथ दूर–दराज से साधु–संत भी इकट्ठा होते हैं। इस साल कुंभ मेला नहीं है, इसलिए प्रशासन को इस वर्ष रिकॉर्ड भीड़ की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गंगासागर मेले की तैयारियां जोरों पर शुरू हो चुकी हैं। जिला नगरपालिका और प्रशासन तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पहले से ही सभी बुनियादी ढांचे तैयार कर चुके हैं।

❑ **बाबूघाट में शिविरों की तैयारी जारी, तीर्थयात्रियों के लिए पर्याप्त इंतजाम**

दूसरी तरफ, बाबूघाट को 'मिनी गंगासागर मेला' के तौर पर भी पहचाना जाता है। कोलकाता नगर निगम और लोक निर्माण विभाग की मिली–जुली पहल के तहत बाबूघाट के पास संतों के अस्थायी शिविरों में आखिरी समय में काम चल रहा है। इसके साथ ही, पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा से भी तीर्थयात्री आने लगे हैं। इसलिए, मोहन बागान ग्राउंड के बगल में गोष्ठ पाल की मूर्ति के पीछे उनके लिए और इंतज़ाम किए गए हैं। वहां कई तीर्थयात्री जमा हुए हैं जो गंगासागर जाएंगे। वहां पीएचईडी विभाग ने शौचालय और पेयजल का पार्याप्त इंतज़ाम किया है।

❑ **सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारी, सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ी**

इस बारे में, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस बार, बाबूघाट के अस्थायी शिविरों को और साफ रखा जाएगा। प्रशासन कार्यक्रम के आस–पास ज़्यादा सावधानी बरत रहा है। जिन जगहों पर धूनी या आग जलाई जाएगी है, वहां खास निगरानी होगी और वहां सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। किसी भी अनहोनी से बचने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी का इंतज़ाम किया गया है। इस बार, शिविरों को साफ रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। पेयजल, कचरा साफ करने और शौचालय प्रबंधन की ज़िम्मेदारी कोलकाता नगर निगम के हाथ में होगी। जहां हर साल तीन शिफ्ट में 120 कर्मचारी काम करते हैं, वहीं इस बार 130 कर्मचारी ड्यूटी पर रहेंगे। कचरा हटाने के लिए अतिरिक्त गाड़ियों का भी इंतज़ाम किया जा रहा है।

❑ **संतों ने कहा... 'बंगाल में हिंदू पिछड़ रहे'**

हालांकि, बाबूघाट में आए संतों ने कहा कि उन्हें बाबूघाट के अस्थायी शिविर जैसी कोई सुविधा नहीं मिलती है। उन्हें सर्दी की रात में ठंड से बचने के लिए कंबल भी नहीं मिलता है। एक संत ने कहा कि बंगाल में अल्पसंख्यक को खुश करने की राजनीति चल रही है, विशव इज्तेमा हो रहा है जहां राज्य सरकार अल्पसंख्यक के लिए करोड़ों रुपये बहा रही है लेकिन यह सरकार पारंपरिक हिंदुओं के लिए कोई कदम उठाती नहीं दिख रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां दूसरे राज्यों में पारंपरिक हिंदुओं के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं बंगाल में हिंदू पिछड़ रहे हैं। वे न सिर्फ पिछड़ रहे हैं, बल्कि बंगाल में तुष्टीकरण की राजनीति भी चल रही है।

अनिकेत महतो ने सरकारी बॉन्ड की 30 लाख की राशि चुकाने के लिए मांगी मदद

कोलकाता, समाज्ञा : आरजी कर दुष्कर्म–हत्या मामले में न्याय की मांग करने वाले जूनियर डॉक्टर अनिकेत महतो ने पिछले हफ्ते सीनियर रेजिडेंट पद से हटने के अपने फैसले की घोषणा की थी, जिसके बाद अब उन्होंने 30 लाख रुपए के सरकारी बॉन्ड को चुकाने के लिए लोगों से आर्थिक मदद मांगी है। महतो ने सोमवार की रात सोशल मीडिया पर एक क्यूआर कोड शेयर किया। इस क्यूआर कोड में उनका बैंक अकाउंट नंबर है। पता चला है कि डॉ. अनिकेत महतो ने साउथ इंडियन बैंक की सॉल्टलेक ब्रांच के अपने बैंक अकाउंट को पब्लिक किया है। नियमों के अनुसार, सरकारी सीनियर रेजिडेंसी एक बॉन्डेड पोस्ट होती है। अगर कोई इसे छोड़ता है, तो सरकार को कुछ रकम चुकानी पड़ती है। अनिकेत ने मीडिया से कहा कि मैंने राज्य सरकार के बॉन्ड के तहत सीनियर रेजिडेंट के पद से इस्तीफा दे दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, बॉन्ड की शर्तों के अनुसार, मुझे सरकार को 30 लाख रुपए देने हैं। यह वित्तीय बोझ मेरी हैसियत से बाहर है। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे आर्थिक मदद देंगे।

डीजीपी नियुक्ति मामला : डीजीपी की नियुक्ति पर फंसा पेंच, यूपीएससी ने सुप्रीम कोर्ट जाने की दी सलाह

यूपीएससी ने ममता सरकार को कहा... 'आपने हद से ज्यादा कर दी देरी'

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति को लेकर जटिलता बढ़ती नजर आ रही है। मौजूदा डीजीपी राजीव कुमार का कार्यकाल 31 जनवरी को समाप्त होने वाला है, लेकिन उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति पर अब तक स्थिति साफ नहीं हो पाई है। इसी बीच, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट से आवश्यक अनुमति लेने की सलाह दी है। यूपीएससी के निदेशक नंद किशोर कुमार ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पत्र लिखकर कहा है कि राजीव कुमार के उत्तराधिकारी की नियुक्ति के लिए राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट का रुख करना चाहिए। यूपीएससी ने राज्य सरकार द्वारा भेजी गई आईपीएस अधिकारियों की सूची भी लौटा दी है, जिनमें से किसी एक को नया डीजीपी बनाए जाने की सिफारिश की गई थी। नियमों के अनुसार, किसी भी राज्य सरकार को डीजीपी पद के लिए राज्य में कार्यरत तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की सूची यूपीएससी को भेजनी होती है। इसके बाद, यूपीएससी इन तीन नामों में से एक नाम को अंतिम रूप से मंजूरी देता है, लेकिन राज्य के मामले में यह प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो पाई। इस पूरे विवाद की जड़ दिसंबर 2023 में तत्कालीन डीजीपी मनोज मालवीय के सेवानिवृत्त होने से जुड़ी है। उस समय राज्य सरकार को उनके उत्तराधिकारी के लिए तीन आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजना था, लेकिन ऐसा करने के बजाय राज्य सरकार ने राजीव कुमार को कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त कर दिया। बाद में, राज्य सरकार ने उनके स्थायी उत्तराधिकारी के लिए आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजा, जिसे यूपीएससी ने स्वीकार नहीं किया।

यूपीएससी के निदेशक ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में सुप्रीम कोर्ट के जुलाई 2018 के आदेश का हवाला दिया है। इस आदेश के अनुसार, किसी भी राज्य सरकार को मौजूदा डीजीपी के सेवानिवृत्त होने से कम से कम तीन महीने पहले नए डीजीपी के लिए आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजना अनिवार्य है। इस आधार पर यूपीएससी का कहना है कि राज्य सरकार को सितंबर 2023 में ही पैनल भेज देना चाहिए था, क्योंकि मनोज मालवीय दिसंबर 2023 में सेवानिवृत्त हुए थे। पत्र में, यह भी बताया गया है कि इस मामले में आयोग ने भारत के अटॉर्नी जनरल से भी सलाह ली थी। अटॉर्नी जनरल ने भी यही राय दी है कि राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेकर ही राजीव कुमार के उत्तराधिकारी की नियुक्ति करनी चाहिए। इस घटनाक्रम के बाद अब डीजीपी के उत्तराधिकारी की नियुक्ति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

गंगासागर तीर्थयात्री सेवा शिविर

कोलकाता : लायन्स क्लब ऑफ कलकत्ता, काकुड़गाछी की ओर से गंगासागर मेला सेवा शिविर में 11 से 16 जनवरी तक हारवुड प्वाइंट, काकद्वीप में तीर्थयात्री सेवा शिविर का आयोजन किया जायेगा। संस्था की ओर से दीपक बंका ने बताया सेवा शिविर के चेयरमैन लायन विष्णु बागला, शंकर लाल चमड़िया, दिनेश अग्रवाल, क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, सचिव अनुभव जयसवाल, रूपक केडिया के मार्गदर्शन में 6 दिवसीय सेवा शिविर में पुड़ी - सब्जी, महाप्रसाद (खिचड़ी), हलवा - चना, चुडवा पुलाव, खीर - पकौड़ी, फल, चाय - बिस्कुट, प्राथमिक चिकित्सा, कम्बल वितरण, आवास और कच्ची रसोई की व्यवस्था के लिये लायन बन्धु सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सेवा मानव सेवा है।

फेनेस्टा ने हावड़ा में पहला शोरूम खोला, पश्चिम बंगाल में नेटवर्क को मिली मजबूती

हावड़ा, समाज्ञा : फेनेस्टा ने हावड़ा में अपने पहले शोरूम का शुभारंभ किया है। यह राज्य में फेनेस्टा का 14वां शोरूम है। ईजी कंस्ट्रक्शन द्वारा संचालित यह शोरूम बेलूर, गिरीश घोष रोड, स्वामीजी अपार्टमेंट, ग्राउंड फ्लोर, हावड़ा-711202 में स्थित है। शोरूम के उद्घाटन अवसर पर फेनेस्टा के बिजनेस हेड साकेत जैन ने कहा कि पश्चिम बंगाल फेनेस्टा के लिए एक प्रमुख विकासशील बाजार रहा है, जहां उच्च गुणवत्ता और आधुनिक डिजाइन वाले फेनेस्ट्रेशन समाधानों की मांग लगातार बढ़ रही है।

एसआईआर : राज्य में सुनवाई के तनाव में दो लोगों की मौत, परिवार का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में मंगलवार को दो लोगों की मौत हो गई, और उनके परिवारों का आरोप है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तनाव से उनकी मौत हुई है। कूचबिहार के बोरो हल्दीबारी निवासी मलिन रॉय (55) को दौरा पड़ा और जलपाईगुड़ी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि मृतक 31 दिसंबर को अपनी एसआईआर सुनवाई के बाद से चिंतित थे, क्योंकि उनका नाम 2002 की मतदाता सूची से गायब पाया गया था। इससे पहले दिन में, सिलीगुड़ी के पास चुनाभट्टी के रहने वाले 57 वर्षीय मोहम्मद खादिम का शव फुलबारी में एक सुनसान पुलिस क्वार्टर के पास मिला था। उनके रिश्तेदारों ने बताया कि एसआईआर सुनवाई के बाद से वे गंभीर मानसिक तनाव में थे। एक अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब ने परिवार से मुलाकात की और प्रशासन की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया।

पुलिस ने नॉर्थ 24 और साउथ 24 परगना में नकली गुडनाइट एलवी रिफिल बेचने वाले रिटेलर्स पर छापे मारे

कोलकाता : पश्चिम बंगाल पुलिस ने भारत की प्रमुख घरेलू कीटनाशक ब्रांड 'गुडनाइट' बनाने वाली कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के साथ मिलकर उत्तर और दक्षिण 24 परगना में कई स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में नकली गुडनाइट रिफिल की बिक्री पर अंकुश लगाना था। जीसीपीएल की जांच एजेंसी के सहयोग से की गई यह छापेमारी बाजार में फैल रहे नकली मच्छर भगाने वाले उत्पादों को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ठोस सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस और जांच टीमों ने उन रिटेल और स्टॉकिंग केंद्रों पर छापे मारे जहां नकली उत्पाद होने का संदेह था। इस दौरान भारी मात्रा में नकली गुडनाइट सामग्री जब्त की गई, जिससे यह संकेत मिलता है कि नकली उत्पादों के निर्माण और वितरण में एक सुनियोजित गिरोह शामिल है। उत्तर 24 परगना के टीटागढ़ स्थित अली हैदर रोड पर एक रिफिलिंग यूनिट से 2,540 गुडनाइट फ्लैश के तैयार ट्विन-रिफिल पैक (प्रत्येक 90 मिली), 600 भरी हुई बोतलें, 1,860 खाली बोतलें, 6,200 लेबल और 6,500 पैकिंग बॉक्स जब्त किए गए। वहीं, दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप स्टेशन रोड स्थित मां बासंती भंडार से 569 ट्विन-रिफिल पैक और काकद्वीप क्षेत्र के काली मंदिर रोड स्थित बासंती स्टोर्स से 255 पीस बरामद किए गए। इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीएमओ अश्विन मूर्ति ने कहा, देश भर में नकली उत्पादों का प्रसार एफएमसीजी उद्योग के लिए एक बड़ी चिंता है। नकली या मिलते-जुलते उत्पाद न केवल अवैध हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और खतरनाक भी हैं।

भाजपा सत्ता में आई तो 500 रुपये बढ़ेगा लक्खी भंडार का भत्ता : सुकांत मजूमदार

बांकुड़ा : केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि भाजपा सत्ता में आयी तो लक्ष्मी भंडार की वर्तमान राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी करेगी। तृणमूल सरकार के दिन लद गये हैं, अब उसकी सत्ता से बिदाई तय है। लूट खसोट की राजनीति का इसबार अंत होगा। मंगलवार को बांकुड़ा जिले के तालडांगरा में आयोजित भाजपा की परिवर्तन संकल्प सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने ये बाते कहीं। उन्होंने तृणमूल सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी से लेकर श्रीरामपुर के सांसद कल्याण

बनर्जी, बांकुड़ा के सांसद अरूप चक्रवर्ती, स्थानीय तृणमूल जिलाध्यक्ष तारा शंकर रॉय, स्थानीय विधायक फल्गुनी सिंह से लेकर स्थानीय ब्लॉक अध्यक्ष तक की आलोचना की। इससे पहले सुकांत मजूमदार ने तालडांगरा पान मार्केट से एक बाइक रैली में हिस्सा लिया। सांसद कल्याण बनर्जी पर चुटकी लेते हुए कहा कि अब उनका जाना तय है। मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि एसआइआर नहीं होने देंगी। पूरे राज्य में एसआइआर का काम चल रहा है। अब कहा जा रहा है कि अभिनेता व सांसद देव को सुनवाई के लिए बुलाया गया है। 2002 में जिनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है और वे अपने माता-पिता या दादा-दादी का नाम भी उस सूची में नहीं निकाल पाये, ऐसे सभी को नोटिस देकर बुलाया गया है। अभिषेक बनर्जी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि अब उन्हें रैंप पर चलने का शौक हो गया है, वे जहां भी मीटिंग करने जाते हैं, स्टेज पर एक लंबा रैंप बना रहता है, जिसपर वे चलते हैं। यह एक नया स्टाइल बनाया है। जब वे किसी मीटिंग में जाते हैं, तो सभी से एक नोट में अपनी समस्याएं और शिकायतें बताने को कहते हैं। वे कहते हैं कि वे नोट पढ़कर समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। क्या वे उन 26 हजार टीचरों की नौकरी वापस लाएंगे, जिनकी नौकरी उनके पार्टी के नेताओं के वजह से गयी? उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आयी तो लक्ष्मी भंडार में पांच सौ रुपये बढ़ाकर देगी।

अदालत के आदेश की अवहेलना, स्कूल निरीक्षक का वेतन रोकने का हाईकोर्ट का निर्देश

✒ **सेवानिवृत्त शिक्षक को सेवानिवृत्ति लाभ न देने पर दर्ज हुआ था मामला**

कोलकाता : अदालत के आदेश की अवहेलना के आरोप में कलकत्ता हाईकोर्ट ने कड़ा कदम उठाया है। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआई) अमित राय का वेतन फिलहाल बंद रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि जब तक मृत आवेदक की पत्नी को सभी बकाया सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिल जाते, तब तक संबंधित डीआई कोई वेतन नहीं ले सकेंगे। मामले की शुरुआत बौलासिनी विवेकानंद हाई स्कूल के पूर्व प्रधान शिक्षक देबब्रत हाइट से जुड़ी है। लंबे समय तक सरकारी सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त होने के

बावजूद उन्हें उनके वैधानिक सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिले, ऐसा आरोप है। इस विषय में उन्होंने कई बार पश्चिम मेदिनीपुर के जिला विद्यालय निरीक्षक अमित राय से गुहार लगाई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई के दौरान ही पिछले वर्ष अक्टूबर में देबब्रत हाइट का निधन हो गया। इसके बाद उनकी पत्नी अपर्णा हाइट ने पुनः अदालत का रुख किया। इस वर्ष 25 नवंबर को मामला न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की पीठ में उठा, जहां अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि 30 दिसंबर 2025 तक सभी बकाया सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान कर दिया जाए। लेकिन आरोप है कि जिला विद्यालय निरीक्षक ने अदालत के आदेश का पालन नहीं किया। इसके बाद मृत शिक्षक की पत्नी ने फिर से अदालत की शरण ली। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कड़ी नाराजगी जताई और सख्त रुख अपनाया। अदालत ने आदेश दिया कि जब तक मृत शिक्षक की पत्नी को उनके सभी वैध सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिल जाते, तब तक पश्चिम मेदिनीपुर के जिला विद्यालय निरीक्षक का वेतन रोका जाएगा।

सिलीगुड़ी में सरकारी बैंक के अंदर चली गोली, नाबालिग समेत पांच घायल

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा ब्लॉक के विधाननगर स्थित एक राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा में गोली चलने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। इस हादसे में एक किशोरी समेत कुल पांच लोग घायल हुए। घायलों के नाम मेरी नाग (37), सोनाली नाग (14), मोहम्मद नुरुल हक (35), संजिता प्रधान (41) और विप्लव सिंह (30) है। घटना के बाद बैंक के सुरक्षा गार्ड माणिक राय को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान सुरक्षा गार्ड के हाथ से बंदूक गिर गई, जिससे अचानक गोली चल गई। गोली बैंक के अंदर मौजूद कुछ लोगों के पैरों में लगी। जिससे पांच लोग घायल हो गए। अचानक हुई इस घटना से बैंक परिसर और आसपास के इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए लोग बैंक से बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही विधाननगर जांच केंद्र की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को पहले विधाननगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेजा गया। जहां हालत बिगड़ने पर घायलों को सिलीगुड़ी के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। किशोरी सोनाली नाग की स्थिति पर विशेष नजर रखी जा रही है। इधर, घटना के बाद पुलिस ने बंदूक समेत सुरक्षा गार्ड माणिक राय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

तीन दिवसीय 59वें गारमेंट फेयर में राजा राम प्रोडक्ट के संचालक राम वर्मा के साथ अध्यक्ष हरि किशन राठी व अन्य उपस्थित रहे ।

कक्षा में मोबाइल इस्तेमाल पर रोक, प्रार्थना सभा में उपस्थिति अनिवार्य

शिक्षकों के लिए माध्यमिक बोर्ड की नई गाइडलाइन

✒ **स्कूल में शिक्षकों के प्रवेश और प्रस्थान का समय भी तय**

कोलकाता : कक्षा के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर सख्त रोक लगाते हुए पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन के लिए नई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पढ़ाई में बाधा पहुंचाने वाला कोई भी कार्य कक्षा के भीतर स्वीकार्य नहीं होगा। साथ ही, निजी लाभ के उद्देश्य से शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा प्राइवेट ट्यूशन कराने पर भी रोक लगाई गई है। माध्यमिक बोर्ड की ओर से जारी नई अधिसूचना के अनुसार, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए स्कूल में प्रवेश और प्रस्थान का समय निर्धारित कर दिया गया है। निर्देश में कहा गया है कि प्रत्येक शिक्षक को सुबह 10:40 बजे होने वाली प्रार्थना सभा में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा। किसी कारणवश देर से पहुंचने पर उसे 'लेट' माना जाएगा, जबकि सुबह 11:15 बजे के बाद स्कूल पहुंचने पर उस दिन के लिए शिक्षक को अनुपस्थित माना जाएगा। इसके अलावा, शिक्षकों को शाम 4:30 बजे से पहले स्कूल परिसर छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। निर्देशिका में स्कूल परिसर को तंबाकू-मुक्त रखने, विद्यार्थियों में स्वास्थ्य जागरूकता और स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रधानाध्यापक को सौंपी गई है। बोर्ड ने यह भी कहा है कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं विद्यार्थियों तक सही तरीके से पहुंच रही हैं या नहीं, इसकी निगरानी के लिए शिक्षकों को नोडल टीचर के रूप में कार्य करना होगा। यह निर्देश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के डिप्टी सेक्रेटरी (अकादमिक) ऋतब्रत चट्टोपाध्याय के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा का स्नेह मिलन समारोह संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा का स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ जैन एजुकेशन सेंटर, काशीपुर के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभा सदस्यों के बच्चों द्वारा लीग क्रिकेट का आयोजन किया गया। छह टीमों-नाइट राइडर्स, टैरिफिक ट्राइब, फन ब्लास्टर, वीर हीरोज, स्काई रॉकेट्स, सुपर किंग्स एवं राइजिंग रॉयल्स-में विभक्त इस लीग मैच में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिद्धार्थ मालू के संयोजन एवं संचालन में खेले गए इस लीग मैच में वीर हीरोज विजेता तथा सुपर किंग्स उपविजेता टीम रही। इस अवसर पर सरदारमल कांकरिया कल्चरल एंड स्पोर्ट्स एरीना का उद्घाटन आई.ए.एस. (अवकाश प्राप्त) चंचलमल बच्छावत द्वारा किया गया। विदुषी रत्ना कंचन देवी कांकरिया का अभिनंदन इस समारोह का मुख्य आकर्षण रहा। यह सम्मान श्री साधुमार्गी जैन संघ, कोलकाता द्वारा प्रदान किया गया। अभिनंदन एवं स्नेह मिलन के इस आत्मीय समारोह में अतिथि के रूप में डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, दिनेश बजाज, विश्वभर नेवर, सी.एम. बच्छावत, डॉ. विनोद विनायकीया, सिद्धार्थ गुप्ता, डॉ. सिराज अहमद, प्रदीप कुंडलिया, पुरुषोत्तम दास मिनानी तथा सभा के पदाधिकारी-सरदारमल कांकरिया, अखयचंद भंडारी, विनोद मिन्नी, विनोद कांकरिया, पन्नालाल कोचर, ऋधकरण बोथरा, सुरेंद्र बांठिया, आर.पी. बोथरा, अशोक मिन्नी, प्रदीप पटवा, अरुण मालू, ललित कांकरिया, जयदीप पटवा, सुभाष कांकरिया, राजेंद्र रामपुरिया, सी.पी. डागा, अशोक बोथरा, मनोज भूरा, राजेंद्र कोठारी, निश्चल कांकरिया, राकेश बुच्चा सहित जैन समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने जारी की सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट 2024-25

कोलकाता : एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक भारत ने अपनी चौथी सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति एयू एसएफबी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिसमें चार प्रमुख स्तंभों: सस्टेनेबल फाइनेंस, ऑपरेशंस, कम्युनिटी और रिपोर्टिंग में प्रगति को दिखाया गया है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के चेयरमैन एच आर खान ने कहा, मेरे लिए, सस्टेनेबिलिटी एक व्यक्तिगत विश्वास है और एक ऐसा सिद्धांत है जो डिज़ाइन के हिसाब से एयू एसएफबी के डीएनए में शामिल है। विकास का केवल एक ही रास्ता है: यह सस्टेनेबल होना चाहिए। जैसा कि हम अपनी चौथी सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट और मर्जर के बाद पहली रिपोर्ट जारी कर रहे हैं, हम ऐसे भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं जहाँ फाइनेंशियल एम्पावरमेंट पर्यावरण की देखभाल और सामाजिक समानता के साथ आगे बढ़े।

मालदह में फिर गोलीबारी, एक घायल

मालदह : जिले के कालियाचक इलाके में एक बार फिर गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक अन्य व्यक्ति के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हमलावर और पीड़ित दोनों ही तृणमूल कांग्रेस समर्थक बताए जा रहे हैं। घटना मंगलवार की सुबह कालियाचक थाना अंतर्गत यदुपुर इलाके में हुई। जानकारी के मुताबिक, जलालुद्दीन शेख उर्फ लुपु को निशाना बनाकर गोली चलाई गई। गोली उनके पेट में लगी, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में मालदह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटना में घायल एक अन्य व्यक्ति भी उसी अस्पताल में उपचाराधीन है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक क्रिकेट मैच को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ था। आरोप है कि विवाद को शांत कराने की कोशिश के दौरान लुपु पर हमला किया गया। उन्हें बचाने आए एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला हुआ और कथित तौर पर बंदूक के बट से उसके नाक पर वार किया गया। लुपु के परिवार का आरोप है कि स्थानीय तृणमूल नेता बाबर शेख के पुत्र हेदायत शेख ने गोली चलाई। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही कालियाचक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। उन्होंने यह भी बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है और विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

चिरेका के तीन कर्मचारियों को दिसंबर माह 2025 के लिए मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार

चित्तरंजन : चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन और समर्पित सेवा के लिए दिसंबर 2025 माह के मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार से तीन कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मंगलवार को महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता द्वारा प्रदान किया गया। दिसंबर 2025 के लिए चयनित पुरस्कार विजेताओं में विजय शंकर शर्मा, वरिष्ठ तकनीशियन, ईएलएस -19 (पैनल सेक्शन), विद्युत विभाग; मो. रहमान अंसारी, तकनीशियन-ख, ईएलएफ-26, यांत्रिक विभाग; तथा अमिताव दत्ता, कार्यालय अधीक्षक (पी), सुरक्षा कार्यालय, सुरक्षा विभाग शामिल हैं। महाप्रबंधक ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई

देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विजय शंकर शर्मा, एसएसई/पैनल (1901) के अंतर्गत कार्यरत हैं। नियमित पैनल उत्पादन के साथ-साथ वे पैनल अनुभाग की विभिन्न गतिविधियों का भी कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। मो. रहमान अंसारी ने हाल ही में शेल उत्पादन में हुई वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके द्वारा किए गए वेल्डिंग कार्यों में उच्च गुणवत्ता और सटीकता देखने को मिली है। अमिताव दत्ता ने अपने कर्तव्यनिष्ठ और अनुकरणीय कार्य से कार्मिक अनुभाग के कार्य-संस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने स्थापना समीक्षा, मासिक निपटान, एमएसीपी प्रकरण, सेवा अभिलेखों का अद्यतन, एचआरएमएस, यूएमआईडी, प्रशिक्षण, पदोन्नति एवं चयन, स्थानांतरण-पदस्थापन, अवकाश तथा चिकित्सा डी-वर्गीकरण जैसे अनेक महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामलों का कुशलता-पूर्वक निष्पादन किया है। चिरेका प्रबंधन द्वारा यह पुरस्कार कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

न्यूज अपडेट

हिंगलगंज में धमकी भरे पोस्टर से सनसनी, भाजपा नेता को सिर काटने की चेतावनी

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के हिंगलगंज के दुलदुली इलाके में कई स्थानों पर मंगलवार को धमकी भरे पोस्टर नजर आए। पोस्टरों में भाजपा नेता तरुण मंडल के खिलाफ गंभीर धमकी दी गई है। पोस्टरों में लिखा था कि भाजपा नेता तरुण मंडल का सिर काटा जाएगा, भाजपा नेता सावधान रहें। इसके साथ ही पोस्टरों में यह भी उल्लेख किया गया कि यदि शुभेंदु अधिकारी या अन्य राज्यस्तरीय भाजपा नेता जनसभा करते हैं, तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। पोस्टर सामने आते ही पूरे हिंगलगंज इलाके में अटकलों और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। हालांकि, जिनके खिलाफ यह धमकी दी गई है, उस भाजपा नेता तरुण मंडल ने कहा कि वह इन पोस्टरों से बिल्कुल भी विचलित नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंगलगंज में तृणमूल कांग्रेस की जमीन खिसक चुकी है, इसी वजह से वह इस तरह की गंदी राजनीति कर रही है। तरुण मंडल ने दावा किया कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में हिंगलगंज में तृणमूल की हार तय है, इसलिए डर फैलाने की कोशिश की जा रही है।

श्री शाकंभरी महोत्सव में झूमे श्रोता

कोलकाता : श्री शाकंभरी सेवा समिति (गणेश गढ़) का तीन दिवसीय 43वां महोत्सव रविवार देर शाम धूमधाम से संपन्न हो गया। महोत्सव के आखिरी दिन आलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग और अखंड ज्योति के समक्ष निर्मल दूबे, अनिल शर्मा, रोहित लखोटिया, शरद हरितवाल और बृजेंद्र मूंधड़ा समेत कई गायकों द्वारा प्रस्तुत किए गए कर्णप्रिय भजन सुन श्रोतागण झूम उठे। तत्पश्चात पायल अग्रवाल की अगुवाई में दर्जनों शाकंभरी भक्तों से सस्वर मंगलपाठ किया। इससे पहले रमेश लखोटिया ने विविधत शाकंभरी पूजन और कन्या पूजन कर ज्योत की। तत्पश्चात अन्य सेवकों ने व्यवस्थित तरीके से ज्योत ली और महोत्सव की गरिमा का कायम रखा। इस मौके पर विधायक विवेक गुप्ता, पूर्व विधायक संजय बक्सी व स्मिता बक्सी, पार्षद मीना पुरोहित, रीता चौधरी, विजय ओझा व विजय उपाध्याय समेत कई जाने-माने लोगों ने महोत्सव में शिरकत की। समिति के आधार स्तंभ रहे कमल लखोटिया की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा गया और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि व पुष्पांजली अर्पित की गई। महाआरती व खुले भंडारे के साथ भव्य कार्यक्रम को विराम दिया गया। इससे पहले महोत्सव के दूसरे दिन यानी शनिवार को रवींद्र सरणी स्थित में शाकंभरी मंदिर में पाठ समेत कई तरह के धार्मिक आयोजन किए गए। महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार को शाकंभरी की शोभायात्रा से हुई थी। सेवा समिति की तरफ से यह जानकारी दी गई।

आरपीएफ ने यात्रियों के सामान चोरी करने वाले चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने अपनी विशेष पहल मिशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत सियालदह एवं हावड़ा रेलवे स्टेशनों से यात्रियों के सामान की चोरी में संलिप्त चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 5 जनवरी को सियालदह और हावड़ा मंडलों के आरपीएफ कर्मियों द्वारा स्टेशनों पर लक्षित निगरानी एवं निवारक जांच के दौरान चार टीओपीबी अपराधियों को पकड़ा गया। इस कार्रवाई में लगभग 1,16,000 मूल्य के चार चोरी किए गए मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए चार अपराधियों में से दो अपराधियों को बरामद मोबाइल फोनों के साथ सियालदह के जीआरपीएस के हवाले किया गया, जहां उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शेष दो अपराधियों को हावड़ा जीआरपीएस को सौंपा गया, जहां उन्हें पूर्व में दर्ज मामलों से जोड़ा गया है। पूर्व रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों को सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा वातावरण प्रदान करने के लिए लगातार सर्तक रहती है।

हावड़ा सिटी पुलिस की 14वीं वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा सिटी पुलिस की दो दिवसीय 14वीं वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 का औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को शिवपुर पुलिस लाइन स्थित खेल मैदान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने किया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी दीपाप प्रिया पी, आईएएस उपस्थित रहीं। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त के. सबरी राजकुमार, आईपीएस सहित हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद थे। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न पदों के पुलिसकर्मी, सिविक वॉलंटियर तथा अन्य कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। यह क्रीड़ा प्रतियोगिता पुलिस बल की शारीरिक दक्षता, अनुशासन तथा टीम भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों का जोश और अनुशासन देखने योग्य रहा। उद्घाटन समारोह के दौरान 14वीं वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 के कई यादगार क्षण भी देखने को मिले।

प्रेसिडेंसी करेक्शनल होम, अलीपुर में श्रद्धा से मनाया गया गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

कोलकाता, समाज्ञा : दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का पावन प्रकाश पर्व सोमवार को प्रेसिडेंसी करेक्शनल होम, अलीपुर में श्रद्धा, भक्ति और गरिमामय वातावरण के बीच मनाया गया। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन की पहल न्यायिक हिरासत में बंद सुरेंद्रपाल सिंह गुग्गी द्वारा की गई, जो वर्ष 2024 से यहां निरुद्ध हैं। प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लगभग 1500 बंदियों ने भाग लिया। समारोह के दौरान गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन और उनके आदर्शों-सत्य, साहस, समानता, निडरता और मानव सेवा-पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। आयोजन के अंतर्गत सभी बंदियों तथा जेल प्रशासन के कर्मियों को कढ़ा प्रसाद का वितरण किया गया, जो सेवा, समानता और भाईचारे का प्रतीक रहा। प्रेसिडेंसी करेक्शनल होम परिसर में सुरेंद्रपाल सिंह गुग्गी को सरदार जी के नाम से जाना जाता है। सहबंदियों के अनुसार, वे अनुशासन, सकारात्मक सोच और मार्गदर्शन का प्रतीक माने जाते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी संयम और सामूहिक सद्भाव बनाए रखने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। कई बंदियों ने बताया कि सरदार जी उन्हें आत्म-सुधार, धैर्य और सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित यह गुरुपर्व कार्यक्रम यह संदेश देता है कि सेवा, नैतिक मूल्यों और मानवता की भावना किसी भी परिस्थिति में जीवित रखी जा सकती है।

अमर्त्य सेन को एसआईआर नोटिस, अभिषेक ने लगाया साजिश का आरोप

बीरभूम : राज्य में इस समय एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) सुनवाई प्रक्रिया चल रही है। एन्यूमरेशन फॉर्म में किसी भी तरह की त्रुटि पाए जाने पर नागरिकों को सुनवाई केंद्र में बुलाया जा रहा है, जहां उन्हें उचित दस्तावेज दिखाकर अपनी नागरिकता का प्रमाण देना पड़ रहा है। इस सूची में अब आम लोगों के साथ-साथ प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल हो गई हैं। सोमवार को यह खबर सामने आई थी कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद और अभिनेता देव तथा विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी को एसआईआर सुनवाई का नोटिस भेजा गया है। इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। इस दिन, रामपुरहाट में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अमर्त्य सेन को भी सुनवाई का नोटिस भेजा गया है! सोचिए, देश के लिए नोबेल पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति को भी इन्होंने नहीं छोड़ा। टॉलीवुड के सबसे चमकते सितारे, अभिनेता-सांसद देव को नोटिस, देश का नाम रोशन करने वाले क्रिकेटर मोहम्मद शमी को नोटिस, क्या यह सब साजिश नहीं है? अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाइयों के जरिए चुनिंदा लोगों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है।

❑ अमर्त्य सेन को वर्तनी की गलती को लेकर उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं : निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को सुनवाई के लिए उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। सेन को मतदाता सूची में उनके नाम की वर्तनी में विसंगतियों के कारण कथित तौर पर निर्वाचन आयोग ने बुलाया था। उन्होंने कहा कि चूंकि, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के पास मतदाताओं के नामों में वर्तनी की गलतियों सहित छोटी-मोटी त्रुटियों को सुधारने का अधिकार है, इसलिए अर्थशास्त्री के मामले में सुधार को स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक रूप से निपटाया जाएगा।

❑ 'नहीं मिली अनुमति तो सीएम सोरेन को लगाया फोन'

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि वह बीरभूम जिले के रामपुरहाट में अपनी जनसभा के लिए कोलकाता से निर्धारित समय से लगभग दो घंटे की देरी से रवाना हुए, क्योंकि उनके हेलीकॉप्टर को बंगाल विरोधी ताकतों से उड़ान भरने के लिए अनुमति नहीं मिली। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की अनिवार्य अनुमति नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपना हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने का अनुरोध करना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि अभिषेक कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित बेहाला फ्लाइंग क्लब की हवाई पट्टी से दोपहर लगभग 2:20 बजे सोरेन के हेलीकॉप्टर से रामपुरहाट के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि तृणमूल नेता को पहले दोपहर करीब 12:30 बजे कोलकाता से उड़ान भरनी थी।

❑ रामपुरहाट अस्पताल में सोनाली से मिले अभिषेक, बेटे का नाम रखा 'आपन'

अभिषेक बनर्जी ने रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में जाकर सोनाली खातून से मुलाकात की और उनके हाल जाना। सोनाली की गुजारिश पर अभिषेक बनर्जी ने उनके नवजात बेटे का नाम 'आपन' रखा। अभिषेक ने कहा कि मैं सोनाली बीबी से मिला। दोनों मां-बच्चा स्वस्थ हैं। अभिषेक के मुताबिक, सोनाली और उनकी मां ने नवजात बच्चे का नाम रखने की गुजारिश की। मैंने नाम 'आपन' रख दिया है।

कुलतली में नाबालिग से शादी करने पहुंचा युवक समेत आठ गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली इलाके में नाबालिग लड़की से शादी करने पहुंचे एक युवक को पुलिस ने सोमवार की रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपित युवक की पहचान बहरडू निवासी आरिफुल मोल्ला (22) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कुलतली इलाके की एक नाबालिग लड़की से उसकी शादी तय की गई थी।

पुलिस को गुप्त सूत्रों से इस अवैध विवाह की सूचना मिली। इसके बाद, पुलिस ने बाल कल्याण विभाग की सहायता से तुरंत मौके पर पहुंचकर शादी की प्रक्रिया को रोक दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपित युवक आरिफुल मोल्ला के साथ-साथ नाबालिग लड़की के पिता और चाचा को हिरासत में लिया है। वहीं, दूल्हे के मामा को भी कुलतली थाना पुलिस ने हिरासत में लिया है। नाबालिग लड़की को भी सुरक्षित रूप से बरामद कर थाने लाया गया है। पुलिस नाबालिग से बातचीत कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं उसे जबरन शादी के लिए मजबूर तो नहीं किया जा रहा था।

Name Change

I, Stuti Parimal Ajmera, daughter of Parimal Ajmera and Kiran P Ajmera, residing at 13A, Shyamananda Road, Shyama Apartments, Kolkata-700025, do hereby solemnly affirm and declare that Stuti Parimal Ajmera (DOB 3rd September 2001) and Stuti P. Ajmera is the same and one identical person via affidavit before the Notary Public at Kolkata dated 5th January 2026.

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: एमसी-116-0-ओबीएचएस-एलडी-टीकेपीआर-25आर, दिनांक 02.01.2026, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कोचिंग एवं टी/सेट), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** 3 वर्ष की अवधि के लिए पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल के टिकियापाड़ा डिपो में अनुरक्षित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिनेन आइटमों की लोडिंग और अनलोडिंग सहित एसी कोचों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सेवाएं और लिनेन का वितरण। **निविदा मूल्य :** रु. 77,39,67,642.78, **बयाना राशि जमा की जाएगी :** रु. 40,19,800/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु. 25,000/-, **अनुबंध की अवधि :** कार्य आरंभ होने की तिथि से 36 माह। **बोली की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 27.01.2026 को 14.00 बजे तक। **बोली पूर्व बैठक की तिथि और समय:** दिनांक 08.01.2026 को 16.00 बजे। **बोली पूर्व बैठक का स्थान :** मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, हावड़ा में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कोचिंग एवं ट्रेन/सेट) का कार्यालय। **निविदा ऑनलाइन जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरण : www.ireps.gov.in**

HWH-511/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-27-2025-26, दिनांक 29.12.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/कर्षण वितरण, सियालदह, पूर्व रेलवे, कंट्रोल बिल्डिंग, प्रथम तल, डीआरएम कार्यालय, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं. : ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-27-2025-26, कार्य का नाम :** "सारगाछि स्टेशन में सर्व मौसम रोधी पूर्णतः आच्छादित गुड्स शेड का प्रावधान" के सिलसिले में 25 केवी ओएचई और संबंधित विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.25,51,555/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **बयाना राशि :** रु.51,000/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 12 (बारह) माह। **अंतिम तिथि :** दिनांक 27.01.2026 को 15.00 बजे। निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www. ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

SDAH-341/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

न्यूज ब्रीफ

हावड़ा के मुम्बई रोड पर हादसा, दो की मौत व एक घायल

हावड़ा, समाज्ञा : जिले का बागनान थाना अंतर्गत मुंबई रोड पर मंगलवार की सुबह हुई एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि मुर्गी लदी गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 6.15 बजे हावड़ा के बरुणदा इलाके में मुंबई रोड के कोलकाता-मुखी लेन के किनारे एक लॉरी खड़ी थी। उस समय लॉरी में चालक मौजूद नहीं था। तभी, देउलटी की ओर से आ रही मुर्गी लदी एक गाड़ी खड़ी लॉरी के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मुर्गी लदी गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में गाड़ी का चालक और उसका एक साथी केबिन के अंदर फंस गए, जबकि एक खलासी टक्कर के झटके से गाड़ी से उछलकर सड़क पर जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही बागनान थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने केबिन में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं घायल खलासी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मुर्गी लदी गाड़ी नवासान इलाके स्थित एक पोल्ट्री फार्म से मुर्गियां लेकर पहले देउलटी गई थी और वहां से जयपुर की ओर जा रही थी। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि घने कोहरे के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं गाड़ी में कोई तकनीकी खराबी तो नहीं थी।

वीरांगना की ओर से राज्य के महान लोगों की स्मृति में हर साल दिये जायेंगे 5 बंगाल विभूति सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा पश्चिम बंगाल की ओर से इको पार्क में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में संस्था की इस वर्ष की भावी योजनाओ की रूपरेखा तैयार की गयी। राज्य महासभा की अध्यक्ष और प्रख्यात गायिका-अभिनेत्री प्रतिभा सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस वर्ष से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच व्यक्तियों को पश्चिम बंगाल की पांच महान हस्तियों के नाम पर सम्मान दिया जायेगा, जिनमें स्त्री-पुरुष दोनों का समावेश होगा। बैठक में महासभा की प्रदेश महासचिव प्रतिमा सिंह, उपाध्यक्ष रीता सिंह, कोषाध्यक्ष पूजा सिंह, सचिव किरण सिंह, संगठन सचिव सुमन सिंह, कार्यकारिणी सदस्य कांति सिंह, बबिता सिंह, बालीगंज इकाई की अध्यक्ष रीता सिंह, काशीपुर इकाई की संरक्षक गीता सिंह, अध्यक्ष मीनू सिंह, उपाध्यक्ष ललिता सिंह, कोषाध्यक्ष संचिता सिंह, सचिव मीरा सिंह, जन सम्पर्क सचिव रीना सिंह, सोदपुर इकाई की अध्यक्ष सुनीता सिंह, महासचिव आशा सिंह तथा नारी शक्ति की सदस्याएं इंदु पाण्डेय व रंजना त्रिपाठी उपस्थित थीं।

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के कल्याणी गोधाम में अपराध भंजन मंदिर का उद्घाटन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : स्वामी गिरिशानंद ने रविवार को कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी कल्याणी के भूखंड पर स्थित प्राचीन अपराध भंजन मंदिर के जीर्णोद्धार समारोह में उद्घाटनकर्ता के रूप में आशीर्वचन प्रदान किए। इस अवसर पर उपस्थित संत उदित महाराज (वृंदावन) ने सज्जन बंसल के पिताश्री पुण्यश्लोक साधुराम बंसल की सेवाभावना और धर्मभाव की चर्चा की। सज्जन बंसल ने अपने अभिभाषण में कहा कि आप सभी संतों एवं पूर्वजों ने ही हमें धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है, इसलिए मंदिर का जीर्णोद्धार कर मैंने मेरा दायित्व निभाया है। कल्याणी शाखा के मंत्री सुरेंद्र कुमार पटवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और मंदिर की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रधान अतिथि मुरारी लाल दीवान तथा संस्था के अध्यक्ष रमेश कुमार सरावगी ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संयुक्त मंत्री राजकमल बांगड़ के गीत एवं गोपजन से हुआ तथा कार्यक्रम का कुशल संचालन किया समाजसेवी सुभाष मुरारका ने। संत द्वय ने कार्यक्रम के उपरांत में कल्याणी गौशाला का परिभ्रमण किया। कार्यक्रम में गौरीशंकर कालुका, मीरा बंसल, बीएसएफ के कमांडेंट मनोज राय, कमल कुमार केडिया, चंद्र शेखर अग्रवाल, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, संदीप कुमार तुलस्यान, डॉ अरुण उपाध्याय, आनंद लड़िया, शंकर लाल पोद्दार, प्रदीप जयदेवका,संजय रावका प्रभृति अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं. सीओएम-पीयूबी-ई-ऑक्शन-एसडीएएच **दिनांक :05.01.2026**

वरिष्ठ मंडल बाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा सियालदह मंडल की विभिन्न परिसंपत्तियों के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है जिसके लिए **www.ireps.gov.in** पर ई-ऑक्शन कैटलॉग सं. **एसडीवीटी-एसडीएएच-01-02** प्रकाशित किया गया है। नीलामी कैटलॉग का विवरण निम्नानुसार है: **ई-ऑक्शन कैटलॉग सं.: एसडीवीटी-एसडीएएच-01-02, नीलामी शुरू : दिनांक 12.01.2026 को 15.00 बजे। क्रम सं., अनुक्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, विवरण और अनुबंध की अवधि** निम्नानुसार है: **(1) एए/1, एसडीवीटी-एसडीएएच-एसडीएएच-ओएसडी-65-25-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (डिजिटल)],** प्रफुल्ल द्वार, सियालदह स्टेशन में डिजिटल स्क्रीन की आपूर्ति, स्थापना, परिचालन और रखरखाव के माध्यम से 50:50 समय साझा करने के आधार पर रेलवे से संबंधित सूचना के साथ वाणिज्यिक विज्ञापनों का प्रदर्शन और 05 वर्ष। **(2) एबी/1, एसडीवीटी-एसडीएएच-केओएएन-ओएसएन-44-25-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन डिजिटल)],** कोलकाता स्टेशन (जोन-ए) के स्टेशन एरिया के अंदर चिह्नित स्थानों पर वाणिज्यिक प्रचार का प्रदर्शन और 03 वर्ष। **(3) एबी/2, एसडीवीटी-एसडीएएच-बीपी-ओएसएन-38-25-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन डिजिटल)],** सियालदह मंडल के क्लस्टर-VI (बेलघरिया: बेलघरिया से नैहाटी जंक्शन तक) स्टेशनों के स्टेशन एरिया के अंदर वाणिज्यिक विज्ञापनों का प्रदर्शन और 03 वर्ष। **(4) एबी/3, एसडीवीटी-आईएनटीआरएक्सटी-98736-2-25-1 (विज्ञापन - ट्रेन इंटीरियर और एक्सटीरियर),** 13187/88 सियालदह-रामपुरहाट नॉ मार्ग एक्सप्रेस के कोचों के अंदर विशेष स्थानों पर एवं बाहरी (संपूर्ण बॉडी) पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना और 03 वर्ष। संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे विस्तृत नियम और शर्तों के लिए **www.ireps.gov.in** का ई-ऑक्शन मॉड्यूल देखें।

SDAH-337/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

हम भगवान के भगवान हमारे हैं, इसके लिए सम्बंध जरूरी : पं. शंभुशरण लाटा

हावड़ा, समाज्ञा : 'हम भगवान के हैं और भगवान हमारे हैं। यह बात जच जाये, फिर पच जाये और अंततः जीवन में रच जाये इसके लिए जरूरी है कि हम भगवान से कोई न कोई सम्बन्ध जोड़े और जो आपको अच्छा लगे वो सम्बन्ध बनाये, चाहे आप भगवान को गुरू बना लो, माता-पिता बना लो या भाई-बहन, यहां तक कि आप चाहो तो उन्हें अपना चेला बना लो, नौकर बना लो, भगवान सब सम्बन्ध में हैं। लेकिन बिना सम्बन्ध के प्यार नहीं हो सकता'। ये उद्गार धनानिया परिवार की ओर से आयोजित नव-दिवसीय श्रीराम कथा के चतुर्थ दिवस की कथा सुनाते हुए संतश्री शंभुशरण लाटा ने व्यक्त किए। उन्होंने वीतराग संत स्वामी रामसुखदास महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी जी हमेशा कहते थे कि भगवान हमें प्यारे तभी लगेंगे जब हम इनसे कोई सम्बन्ध बना लेंगे। पं. लाटा ने कहा कि 'हम रामजी के रामजी हमारे हैं' के लिए कोई पढ़ाई-लिखाई की जरूरत नहीं। अगर हम यह सोचें कि हम तो धरती पर रहते हैं और भगवान तो बैकुण्ठ में, साकेत लोक में, कैलाश में रहते हैं तो फिर भगवान हमारी पकड़ में नहीं आयेंगे, भगवान को पाने के लिए यह विचार जरूरी है कि भगवान हमारे हैं, चाहे जहां भी रहते हों। जहां अपनापन हो जाये वहां कुछ असंभव नहीं, कोई मर्यादा काम नहीं करती। आप करके देखो, भगवान आपकी मुट्ठी में हैं। लेकिन हमारे लिए पूजा करना, घंटी बजाना, भोग लगाना सरल है; भगवान हमारे हैं, हमारे पास हैं यह मानना कठिन है जबकि कहा भी गया है- ईश्वर जीव अंश अविनाशी। पं. लाटा ने कहा कि इस भवसागर रूपी कुएं में गिरे जीव को निकालने के लिए भगवान वेद, पुराण, शास्त्र, कथा आदि यंत्र का उपयोग करते हैं और इससे भी बात न बने तो स्वयं जीव को इससे निकालने के लिए इस कुएं में उतर जाते हैं।

साल की शुरुआत में ही बंद हुआ कमरहट्टी का प्रवर्तक जूट मिल, रातों-रात बेरोजगार हुए कम से कम 1000 मजदूर

कोलकाता : नए साल की शुरुआत में ही कमरहट्टी स्थित प्रवर्तक जूट मिल के बंद हो जाने से इलाके में भारी तनाव फैल गया। अचानक मिल बंद होने के कारण कम से कम 1000 मजदूर रातों-रात बेरोजगार हो गए। घटना के विरोध में आक्रोशित मजदूरों ने व्यस्त बीटी रोड जाम कर प्रदर्शन किया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात ठप हो गया। सूचना मिलने पर बेलघरिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों से स्थिति संभालने की कोशिश की, इस दौरान पुलिस और मजदूरों के बीच तीखी बहस भी हुई। मजदूरों का आरोप है कि मिल प्रबंधन की ओर से बिना किसी पूर्व सूचना के मिल के गेट पर अनिश्चितकालीन बंद का नोटिस टांग दिया गया। नोटिस में मिल बंद करने का कारण भी स्पष्ट नहीं किया गया है। अचानक काम बंद हो जाने से मजदूरों के सामने रोज़ी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। मंगलवार सुबह अन्य दिनों की तरह मजदूर काम पर पहुंचे थे, लेकिन मिल के भीतर प्रवेश करते ही उन्होंने प्रवर्तक जूट मिल लिमिटेड के बंद होने का नोटिस देखा। इसके बाद मजदूरों में नाराज़गी फैल गई और वे सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शन के चलते इलाके में भारी जाम की स्थिति बन गई। मजदूरों का कहना है कि मिल में कच्चा जूट मौजूद है और उत्पादन सामान्य रूप से चल रहा था, फिर भी अचानक मिल बंद कर दिया गया। इससे वे असमंजस में हैं। नए साल में बच्चों के स्कूल में दाखिले का समय होने के कारण परिवारों पर आर्थिक दबाव और बढ़ गया है। मजदूरों का कहना है कि अब बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाना बेहद मुश्किल हो गया है। मजदूर संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मिल नहीं खोली गई, तो वे बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मिल गेट पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/2, दिनांक: 05.01.2026, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:

● **(क) क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि** निम्नानुसार हैं: **(1) 10251129;** बगैर कार्बन ब्रश के संपूर्ण ब्रश होल्डर असेंबली का क्रय आदि; रु. 1,31,150/- **(2) 10252514;** आईओएच किट आदि; रु. 5,72,860/- **(3) 10251102;** आईओएच किट स्पेयर्स; रु. 2,45,990/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 27.01.2026 को 13.30 बजे** (क्रम सं. 1 से 3 हेतु), **(4) 12255875;**आरडीएसओ ड्राइंग नं. टी-8533 से टी-8536 के अनुसार कॉम्बिनेशन फिश प्लेट; रु. 2,52,760/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 22.01.2026 को 13.30 बजे (5) 11251775;** आरडीएसओ के स्पेसि. नं. 04-एबीआर-2019, रिव-02 ऑफ दिसंबर 2019 के अनुसार 09 आइटमों से संलग्न फ्लेंज कपलिंग सेट का क्रय आदि; रु.1,22,230/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 02.02.2026 को 13.30 बजे (6) 11251083;** स्लैक एडजस्टर आदि के साथ ब्रेक सिलिंडर; रु. 1,48,950/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 09.02.2026 को 13.30 बजे (7) 14255187ए;** आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/एसपीएन/176/2013, संस्करण-3 के अनुसार सभी एक्सेसरीज के साथ संपूर्ण डिटेक्शन पॉइंट और ट्रैक सेक्शन के लिए मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) की आपूर्ति, परिवहन का क्रय आदि; रु.1,08,970/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 05.02.2026 को 13.30 बजे (8) 11251814ए;** फूट स्टेप अरेंजमेंट आदि का क्रय; रु. 1,45,970/-**निविदा खुलने की तिथि और समय: 27.01.2026 को 13.30 बजे (9) 10255047ए;** इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए हाई रीच पैंटोग्राफ आदि; रु. 2,00,880/, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 22.01.2026 को 13.30 बजे (10) 14251045ए;** आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/82/2020 रिव. 2.0 के अनुसार एलएएन एक्सटेंडर का क्रय। क्लॉज नं. 3.3.3:एसी के तहत पावर सप्लाई आवश्यकता; रु.1,01,250/-**निविदा खुलने की तिथि और समय: 23.01.2026 को 13.30 बजे (11) 14255146ए;** इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन आईआरएस टाइप 220 मिमी थ्रो आदि का क्रय; रु.1,57,400/-**निविदा खुलने की तिथि और समय: 09.02.2026 को 13.30 बजे (12) पीएससीस्लीपर8746;** चौड़े पीएससी स्लीपर्स-आरटी 8746 के क्रय के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट; रु. 50,00,000/, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 16.01.2026 को 13.30 बजे (13) 22251625ए;** टैब/कैप रुक्सोलिटिनिब 20 एमजी (उत्पाद निर्माणकारी फर्म की रेलवे बोर्ड की अनुमोदित उत्पाद सूची में रहना चाहिए।) आइटम कोड नं.: एम251024 एआई 25-26; रु.0/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 27.01.2026 को 13.30 बजे। निविदा मूल्य :** रु.0 (क्रम सं. 1 से 13 प्रत्येक हेतु)।

● **(ख) क्रम सं. (1) ; निविदा सं.: 52257634; संक्षिप्त विवरण:** एरोसोल फायर डिटेक्शन और सप्रेशन सिस्टम के सेट की आपूर्ति और स्थापना जो 100 ग्राम के 02 फायर सप्रेशन सिस्टम कार्ट्रिज से संलग्न है, जिसमें सेंसिंग और एक्चुएटिंग डिवाइस के साथ एक्शन टेम्परेचर 68-72 डिग्री सेंटीग्रेड है, जो आरडीएसओ दिशानिर्देश पत्र संख्या ईएल/7.1.108/एसबीसी/मेन दिनांक - 06.08.2025 के तहत है और इसे आरडीएसओ स्पेसि. संख्या आरडीएसओ/पीई/एसपी ईसी/एसी/0192-2018 (रिव-1) के अनुसार तकनीकी मापदंडों और स्वीकृत प्रस्तुतकारक के अनुरूप प्रदान किया जाना चाहिए। इसे एलएचबी एसी कोचों के एसबीसी में स्थापित किया जाएगा और स्थान आरडीएसओ पत्र संख्या ईएल/7.1.1ओएस/एमएसएसबीसी/मेन दिनांक-18.06.2025 के अनुसार होना चाहिए। इस आइटम के संस्थापन के लिए ज़रूरी सभी मॉडिफिकेशन, बैक पीस, इंस्टॉलेशन ब्रैकेट और एक्सेसरीज़ आपूर्ति के दायरे में होंगे। केवल आरडीएसओ/ आरसीएफ/ आईसीएफ/एमसीएफ अनुमोदित प्रस्तुतकारक ही लिए जाएंगे; **अनुमानित निविदा मूल्य:** रु.63,94,986.40 **और निविदा की अंतिम तिथि: 27.01.2026**

● **(ग) शुद्धिपत्र ;** निम्नलिखित निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी किया जाता है: **निविदा सं.पीएससीस्लीपर8746, निविदा का शीर्षक:** चौड़े पीएससी स्लीपर्स-आरटी 8746 के क्रय के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट; **अंतिम तिथि और समय-** मौजूदा तिथि: 08.01.2026 को 13.30 बजे। **संशोधित तिथि: 16.01.2026 को 13.30 बजे।**

टिप्पणी: उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

STORES-61/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

खेलों के जरिए समाज की मुख्यधारा से जुड़े यौनकर्मियों के बच्चे और ट्रांसजेंडर प्रतिभागी

हावड़ा, समाज्ञा : सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए शैलेन मान्ना स्टेडियम में विशेष खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान यौनकर्मियों के बच्चों के लिए फुटबॉल मैच और ट्रांसजेंडर प्रतिभागियों के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस आयोजन की पहल भारत सरकार के युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत माई भारत हावड़ा द्वारा की गई। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को खेल किट्स के साथ-साथ मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। दो दिनों तक चले इस खेल महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने कबड्डी, फुटबॉल, हाई जंप और 400 मीटर दौड़ जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और आपसी सहयोग की भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए माई भारत हावड़ा की अधिकारी अरुणिमा ने बताया कि इस खेल आयोजन का मुख्य उद्देश्य यौनकर्मियों के बच्चों और ट्रांसजेंडर समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

फर्जी जनजाति प्रमाणपत्र रद्द करने की मांग पर धर्मतला में प्रदर्शन, 'नो वोट टू तृणमूल' की चेतावनी

कोलकाता : फर्जी जनजाति प्रमाणपत्र रद्द करने और जांच आयोग गठित करने की मांग को लेकर मंगलवार को जनजाति समुदाय के एक वर्ग ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। 'यूनाइटेड फोरम ऑफ ऑल आदिवासी ऑर्गनाइजेशन्स' के आह्वान पर हावड़ा और सियालदह स्टेशन से जुलूस निकालते हुए प्रदर्शनकारी धर्मतला पहुंचे। करीब 50 जनजाति संगठनों के साझा मंच से आंदोलनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ भी तीखा हमला बोला।

आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आगामी विधानसभा चुनाव में 'नो वोट टू तृणमूल' का नारा बुलंद किया जाएगा। धर्मतला की सभा में रामदास किस्कू, तपन सरदार, पार्शाल मुर्मू, रबीन सोरेन, दुलाल मुड़ी, सदानंद मुड़ा, बुबुन मुड़ा, असीम सिंह और मदन मुर्मू सहित कई नेता मंच पर मौजूद रहे।

नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनजाति नहीं होने के बावजूद कई लोगों को जनजाति प्रमाणपत्र जारी कर रही है, जिससे वास्तविक जनजाति समुदाय के लोग आरक्षण और अन्य सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने 2006 के वन अधिकार कानून को प्रभावी रूप से लागू करने और 2023 के वन संरक्षण कानून को रद्द करने की भी मांग की। उनका आरोप है कि नया कानून जनजातियों को उनकी जमीन से बेदखल करने और बड़े पूंजीपतियों के हितों को साधने के लिए लाया गया है।

आंदोलनकारी नेताओं ने बताया कि राज्य सरकार और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है। उनकी प्रमुख मांगों में फर्जी जनजाति प्रमाणपत्रों को रद्द करना और जांच आयोग का गठन, जनजातियों की रैयत और पट्टा जमीन पर कब्जा रोकना, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अधिकार सुनिश्चित करना तथा वन अधिकार कानून को पूरी तरह लागू करना शामिल है।

टीटागढ़ में शीत वस्त्र वितरण व लिट्टी-चोखा भोज का आयोजन, 300 जरूरतमंदों को मिले कंबल

कोलकाता, समाज्ञा : टीटागढ़ क्षत्रिय समाज एवं रामायण शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 5 जनवरी को टीटागढ़ के महात्मा गांधी रोड, वार्ड संख्या 10 स्थित मुंशी प्रेमचंद पार्क में शीत वस्त्र (कंबल) वितरण एवं बिहार के पारंपरिक व्यंजन लिट्टी-चोखा भोज का आयोजन किया गया। इस सामाजिक कार्यक्रम के तहत 300 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए, जबकि 100 कंबल स्थानीय अनाथालय को देने के लिए सुरक्षित रखे गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीराम दरबार की पूजा-अर्चना, आरती एवं साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। उद्घाटन अवसर पर टीटागढ़ क्षत्रिय समाज के मुख्य सचेतक एवं वार्ड पार्षद शेष नारायण सिंह ने कहा कि टीटागढ़ क्षत्रिय समाज सदैव जाति और धर्म से ऊपर उठकर समाज के सभी वर्गों की सेवा करता आया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज की सेवा परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

टीटागढ़ क्षत्रिय समाज के संस्थापक अध्यक्ष एवं रामायण शिक्षा संस्थान के चेयरमैन अनिल कुमार सिंह ने संस्थापक महासचिव नंद सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ अंगवस्त्र और संस्था का बैज भेंट कर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन उद्घोषक रूपेश श्रीवास्तव ने किया, जबकि संरक्षक मनोज सिंह आदर्श ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान टीटागढ़ क्षत्रिय समाज के मुख्य संरक्षक पद पर पार्षद शेष नारायण सिंह तथा युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र सिंह को मनोनीत किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 के लिए रामायण शिक्षा संस्थान की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

इस अवसर पर भारत क्षत्रिय समाज, अखिल भारतीय आजमगढ़ सेवा संघ, राष्ट्रीय बिहारी समाज, क्षत्रिय चेतना मंच, बैरकपुर, टेक्समैको व कांचरापाड़ा क्षत्रिय समाज सहित अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने लाभुकों के साथ लिट्टी-चोखा भोज का आनंद लिया। कार्यक्रम की सराहना करते हुए कई वक्ताओं ने इसे सामाजिक सौहार्द और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं, उद्योगपतियों एवं युवा स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांग्रेस-आईएसएफ के लिए सीट छोड़ने को तैयार नहीं सहयोगी दल, वाममोर्चा के भीतर दबाव में सीपीएम

❑ मोर्चे के बाहर किसी से गठबंधन नहीं चाहते सहयोगी दल

कोलकाता : 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर वाममोर्चा के भीतर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। कांग्रेस और आईएसएफ के लिए सीटें छोड़ने को सहयोगी दल तैयार नहीं हैं, जिससे सीपीएम पर आंतरिक दबाव बढ़ता जा रहा है। इसी मुद्दे पर वाममोर्चा के चेयरमैन और वरिष्ठ सीपीएम नेता विमान बोस अगले दो दिनों तक सहयोगी दलों के साथ बैठक करने वाले हैं। लेकिन बैठक से पहले ही सहयोगियों के अलग-अलग सुर सामने आ गए हैं। फॉरवर्ड ब्लॉक ने साफ कर दिया है कि वह वाममोर्चा के बाहर किसी भी दल के साथ गठबंधन के पक्ष में नहीं है। पार्टी का कहना है कि सत्ता में रहने के दौरान वह 34 सीटों पर चुनाव लड़ती थी, जबकि 2021 के विधानसभा चुनाव में उसने 21 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। पिछली बार कांग्रेस और आईएसएफ के साथ गठबंधन किया गया था, लेकिन अब फॉरवर्ड ब्लॉक किसी नए गठबंधन के लिए तैयार नहीं है। वहीं, मोर्चे की एक अन्य सहयोगी आरएसपी भी पहले आईएसएफ के साथ गठबंधन को लेकर इच्छुक नहीं थी। हालांकि, आईएसएफ के चेयरमैन नौशाद सिद्दीकी हाल ही में अलीमुद्दीन स्ट्रीट जाकर विमान बोस से मुलाकात कर चुके हैं। आईएसएफ का संकेत है कि यदि गठबंधन होता है, तो वह पिछली बार से अधिक सीटों की मांग करेगा। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को सीपीआई और बुधवार को आरएसपी के साथ विमान बोस की बैठक तय है। 2021 में सीपीआई ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस बार यदि कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होता है, तो सीपीआई भी अधिक सीटों की मांग कर सकती है।

मऊ : काशी एक्सप्रेस में बम की सूचना से मचा हड़कंप, यात्रियों को नीचे उतारा गया

मऊ (उप्र): मऊ जिले में मंगलवार को गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल (मुंबई) जा रही ट्रेन में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। ट्रेन के मऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन को खाली कराया और बम निरोधक दस्ते की मदद से ट्रेन की सघन जांच शुरू करायी गयी। पुलिस अधीक्षक इला मारन ने बताया कि आज सुबह साढ़े नौ बजे कंट्रोल रूम में एक फोन आया कि गोरखपुर से मुम्बई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल जाने वाली काशी एक्सप्रेस में बम की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की टीम मऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, यात्रियों को ट्रेन से बाहर निकाला गया।

धोखाधड़ी के मामले में देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका खारिज

देवरिया (उप्र): देवरिया जिले की एक अदालत ने धोखाधड़ी के आरोप में यहां जिला जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। अभियोजन पक्ष ने यह जानकारी दी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी ठाकुर को आज जिला जेल से अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत में अभियोजन और बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने जमानत याचिका को लेकर अपनी-अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) मंजू कुमारी ने ठाकुर की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

वाराणसी : खेलते समय ज़हरीला फल खाने से तीन बच्चों की मौत

वाराणसी (उप्र): वाराणसी जिले के मिर्जामुराद क्षेत्र में खेलते समय कथित तौर पर जहरीला फल खाने से तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (गोमती जोन) आकाश पटेल ने मंगलवार को बताया कि मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के करधना इलाके में रविवार को कुछ बच्चे एक साथ खेल रहे थे। इसी दौरान उनमें से तीन बच्चों ने अनजाने में कनेर का फल खा लिया।

आदित्यनाथ ने वीबी-जी राम जी के बारे में 'गलत जानकारी' फैलाने को लेकर विपक्ष पर बोला हमला

लखनऊ: कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जिन्होंने 'दशकों तक देश के संसाधनों को लूटा और गरीबों और युवाओं को भूख और पलायन की ओर धकेला', वे अब ग्रामीण भारत को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए एक पारदर्शी सुधार पर सवाल उठा रहे हैं। लखनऊ में राजग सरकार की एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि यह पत्रकार वार्ता नए लागू किए गए 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) अधिनियम-2025 के बारे में स्पष्टीकरण के लिए बुलाई गई है, जिसने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह ली है। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, और निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल (एस) सहित राजग के सहयोगी दलों के मंत्री शामिल हुए। कांग्रेस और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव

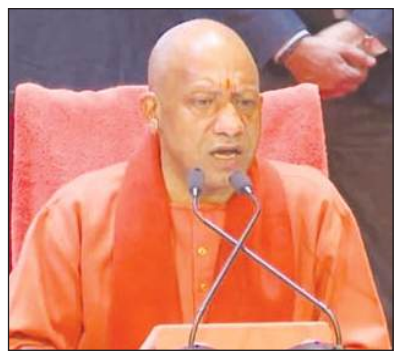

अलायंस' (इंडिया गठबंधन) पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा, 'जिन्होंने दशकों तक देश के संसाधनों को लूटा और गरीबों और युवाओं को भूख और पलायन की ओर धकेला, वे अब ग्रामीण भारत को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए एक पारदर्शी सुधार पर सवाल उठा रहे हैं।' आदित्यनाथ ने इस कानून को गांव-केंद्रित विकास के लिए एक मील का पत्थर बताते हुए कहा, 'यह कानून वीबी-जी राम जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए लाया गया है। यह रोजगार की गारंटी देगा, आजीविका सुनिश्चित करेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी बुनियादी ढांचा तैयार करेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का विरोध करने वालों को डर है कि ऐसे पारदर्शी सुधारों के समर्थन से उनकी पिछली नाकामियां उजागर हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'अगर जनता यह पूछने लगे कि जब वे सत्ता में थे तो ये कदम क्यों नहीं उठाए गए, तो उनकी सच्चाई सामने आ जाएगी।' आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि मनरेगा टिकाऊ संपत्ति बनाने में विफल रहा और फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी हाजिरी, मजदूरी के भुगतान में देरी, कमजोर 'सोशल ऑडिट' और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से ग्रस्त था। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अक्सर समय पर रोजगार और भुगतान से वंचित रखा जाता था, जबकि किसानों को बुवाई और कटाई के मौसम में मजदूरों की भारी कमी का सामना करना पड़ता था।

बिहार : पेपर लीक कांड के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया का गुर्गा गिरफ्तार

पटना: बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की विशेष टीम ने पटना के गोला रोड इलाके में छापेमारी कर पेपर लीक कांड के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा(टीआरई)-3 के साथ-साथ हरियाणा माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) का पेपर लीक कराने में शामिल होने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिपुल कुमार उर्फ बिपुल शर्मा के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। ईओयू के अधिकारियों के अनुसार, बीपीएससी के माध्यम से आयोजित शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-3 का पेपर लीक होने के मामले में आर्थिक अपराध थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

न्यूज अपडेट

झारखंड में कई जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे, शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी

रांची: झारखंड के 10 जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया जिसके बाद मंगलवार को राज्य में शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिन जिलों में 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और चतरा शामिल है। उन्होंने बताया कि इन जिलों में सात जनवरी तक शीतलहर का प्रकोप बना रह सकता है। वहीं, पिछले 24 घंटों में सुबह 8.30 बजे तक गुमला में राज्य का सबसे कम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद खूंटी में 3.7 डिग्री और लोहरदगा में 3.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, क्षोभमंडल के निचले स्तरों पर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की हवाओं के कारण तापमान में यह गिरावट आई है।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित

जयपुर: राजस्थान के अधिकतर इलाकों में लगातार कड़ाके की सर्दी से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य के अनेक इलाके शीतलहर की चपेट में हैं और राजधानी जयपुर सहित अनेक जिलों के विद्यालयों में छुट्टियां कर दी गई हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट आने तथा घना कोहरा छाए रहने का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम केंद्र जयपुर ने मंगलवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में अनेक जगह घना कोहरा दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी घना कोहरा छाया रहा। राज्य के अनेक इलाकों में लगातार शीत लहर एवं शीत दिवस दर्ज किया गया है। बीते चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान डूंगरपुर में 3.0 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 4.1 डिग्री, माउंट आबू में 4.4 डिग्री, पाली में 4.7 डिग्री, गंगानगर में 5.1 डिग्री, फतेहपुर में 6.7 डिग्री एवं जयपुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर इस मौसम में पहली बार घना कोहरा देखा गया। बीकानेर, कोटा एवं उदयपुर संभाग में अनेक जगह घना कोहरा छाया रहा। तापमान में गिरावट और धूप नहीं निकलने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजमार्ग पर वाहन धीमी गति से चलते दिखे। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया और प्रशासन ने शहरों में कई जगह 'रैन बसेरे' बनाए हैं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में आगामी सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आने वाले दिनों में अनेक जगह सुबह के समय घना कोहरा एवं शीत दिवस दर्ज होने की संभावना है। इसके साथ ही आगामी एक-दो दिन में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट होने एवं राज्य के उत्तरी भागों में शीतलहर चलने की संभावना है।

संभल में तालाब की जमीन पर बने तीन मकानों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

संभल (उप्र): संभल तहसील के राया बुजुर्ग गांव में मंगलवार को तालाब की भूमि पर अवैध रूप से बने तीन मकानों को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। असमोली क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी कुलदीप सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि राया बुजुर्ग गांव में तालाब पर बने तीन मकानों के मालिकों को निर्धारित समय के लिये नोटिस दिया गया था और उन्हें आज बुलडोजर से ध्वस्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान पांच थानों का पुलिस बल और त्वरित प्रतिक्रिया बल तैनात किया गया है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। संभल के तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि गाटा संख्या 682 की 880 वर्ग मीटर तालाब की भूमि पर अवैध कब्जा करके तीन मकान बनाये गये हैं। ये मकान असरार, अबरार ओर बाबू नामक व्यक्तियों के हैं। उन्होंने बताया कि इन्हीं लोगों द्वारा यहां तालाब की भूमि पर एक बड़ी मस्जिद और बैंक्वेट हाल का निर्माण किया गया था।

विनय कटियार ने 2027 में अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का दावा किया

अयोध्या: राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण आंदोलन के प्रमुख नेता रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनय कटियार ने मंगलवार को दावा किया कि वह 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में अयोध्या क्षेत्र से उम्मीदवार होंगे। कुर्मी समाज से आने वाले फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय क्षेत्र से तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे कटियार ने यह घोषणा ऐसे समय की है, जब उनके कुर्मी समाज के ही केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी अभी हाल ही में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। मंगलवार को अयोध्या में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कटियार ने कहा कि अयोध्या उनकी कर्मभूमि है और वे 2027 का चुनाव अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से लड़ेंगे। विनय कटियार (71) वर्ष 1991, 1996 और 1999 में फैजाबाद संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। कटियार ने 2006 के लोकसभा उप-चुनाव में रायबरेली संसदीय क्षेत्र से भी चुनाव लड़ा था, लेकिन कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से पराजित हो गए थे। कटियार दो बार राज्यसभा सदस्य (2006 से 2012 और 2012 से 2018 तक) भी रह चुके हैं।

सभी तलाशी और जब्ती की अनिवार्य ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग का निर्देश

प्रयागराज: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को सभी तलाशी और जब्ती की अनिवार्य ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग करने और जब्ती की सूचियां ई-साक्ष्य पोर्टल पर डालने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने का निर्देश दिया है। यह आदेश सोमवार को न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने शादाब नाम के एक व्यक्ति की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। अदालत ने याचिकाकर्ता की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। वह कथित तौर पर 40 मोटरसाइकिलों की बरामदगी के संबंध में चोरी के एक मामले में आरोपी है। अदालत ने पाया कि पुलिस, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 105 और यूपी बीएनएसएस नियमावली, 2024 के नियम 18 के तहत अनिवार्य तलाशी एवं जब्ती प्रक्रिया को रिकॉर्ड करने में विफल रही थी। अदालत ने कहा कि इस कानूनी आवश्यकता का पालन करने में विफलता अभियोजन मामलों को कमजोर करती है और इससे दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

जलवायु परिवर्तन से निपटना जन आंदोलन बने, सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं : श्रवण कुमार

पटना: बिहार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन की चुनौती को केवल एक सरकारी कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम, घटते जलस्तर और हरित क्षेत्र में आ रही कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। बापू टावर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह मंच सिर्फ एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह संदेश देने का प्रयास है कि पर्यावरण संरक्षण अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की

आवश्यकता बन चुका है। इस कार्यक्रम में जल-जीवन-हरियाली अभियान से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी और जीविका दीदी भी मौजूद रहीं, जिन्हें इस अभियान की जमीनी ताकत माना जाता है। श्रवण कुमार ने कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के माध्यम से सरकार लोगों से भावनात्मक और सामाजिक अपील कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग अपने बच्चों, माता-पिता के जन्मदिन या किसी भी पर्व के अवसर पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। यदि यह परंपरा बन जाए तो राज्य का हरित आवरण तेजी से बढ़ सकता है और 15 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रही है, जिसके कारण कहीं असमय बारिश हो रही है तो कहीं भीषण गर्मी और जल संकट जैसे हालात सामने आ रहे हैं। ऐसे में जल, जीवन और हरियाली को एक-दूसरे से जोड़कर देखने की जरूरत है।

श्रद्धा, मनोरंजन व रोजगार का संगम है गोरखनाथ मंदिर का खिचड़ी मेला

गोरखपुर: उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में गोरखनाथ मंदिर में वार्षिक खिचड़ी मेले की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह मेला मकर संक्रांति से पहले शुरू होता है और एक महीने से ज़्यादा समय तक चलता है। एमजी कॉलेज के प्राचार्य प्रदीप राव ने कहा कि इस मेले को धार्मिक आस्था, लोकप्रिय मनोरंजन और स्थानीय लोगों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार का एक अनोखा संगम माना जाता है। मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में लगने और इससे पखवाड़ा पूर्व शुरू होकर माह भर से अधिक समय तक चलने वाला खिचड़ी मेला श्रद्धा, मनोरंजन और रोजगार का संगम है। गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी के रूप में चढ़ाए जाने वाला

अन्न सालभर जरूरतमंदों में वितरित किया जाता है। मंदिर के अन्न क्षेत्र में कभी भी कोई जरूरतमंद पहुंचा, खाली हाथ नहीं लौटा। ठीक वैसे ही, जैसे बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाकर मन्नत मांगने वाला कभी निराश नहीं होता। मंदिर में खिचड़ी का यह पर्व इस वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाएगा। मकर संक्रांति के पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर नाथ पंथ की विशिष्ट परंपरानुसार गुरु गोरखनाथ को लोक आस्था की खिचड़ी चढ़ाकर समूचे जनमानस की सुख समृद्धि की मंगल कामना करते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार तथा देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से भी लाखों की तादाद में श्रद्धालु शिव अवतारी बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाते हैं। मकर संक्रांति के दिन भोर में सबसे पहले गोरक्षपीठ की तरफ से पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ खिचड़ी चढ़ाकर बाबा को भोग अर्पित करते हैं।

आशू भोला झूठ न बोला

नरेन्द्र देवांगन

एक था आशू। बड़ा था धांसू। मां हो जाती काम से पस्त पर खेलकूद में रहता वह मस्त। था अगले सोमवार का उसे इंतजार। उस दिन वह होने वाला सात पार। अच्छी खासी थी उसके पापा की तनखा। जन्मदिन मनाया उसने ढेरों गुलाबजामुन खा। वैसे वह शैतान का नाना था। पर सच का बड़ा दीवाना था। घर में कोई न बिटिया थी। बड़े दिनों की छुट्टियां थीं।

एक दिन जिद कर बैठा आशू। मां से बोला, 'मैं जोधपुर जाऊंगा।'

बीकानेर वह रहता था। नाना का बड़ा चहेता था। पापा उसके थे बड़े कमाऊ। मम्मी ने सोचा कि मैं भी पीहर हो आऊं। ससुराल में बस काम ही काम। कुछ तो करूं मैं भी आराम।

आशू की जिद हुई न फेल। मम्मी-पापा संग चढ़ा वह रेल। आशू ने आइसक्रीम खाई। कुछ देर में रेल ने सीटी बजाई। रेल चली छुक-छुक....छुक-छुक.....छुक-छुक... मम्मी देखे आशू का मुख।

रेल में चंद भिखारी थे। आशू के पापा अधिकारी थे। वैसे वे लगते थे धाकड़। टी.टी.को देख गायब हो गई उनकी अकड़। आशू के पापा के मन का चोर जागा जब टी.टी.ने आशू का आधा टिकट मांगा।

इससे पहले कि टी.टी.जुर्माने का चालान टटोले। आशू के पापा गिड़गिड़ा कर बोले, 'हजूर, यह बच्चा तो आपके ही शहर का है। अभी तो यह केवल चार साल का है।'

आशू से अब रहा न गया। पापा का झूठ सहा न गया। यूं आशू था दिल का भोला। सबके सामने जोर से बोला, 'पिछले सोमवार को तो मेरा जन्मदिन मना था। मैंने सात मोमबत्तियां जला कर, बड़ा सा केक काटा था। आपने चूमा था मेरा माथा, भूल गए क्या पापा?'

टी.टी.समझ गया आशू है भोला। प्यार से वह आशू के पापा से बोला, 'इस बार छोड़ दिया पर आगे से आप बच्चे का आधा टिकट ले कर ही चला कीजिए जनाब।' (उर्वशी)

नये साल की पार्टी

दुर्गा प्रसाद शुक्ल 'आज़ाद'

नीरज एक होनहार बच्चा था। वह अपने गांव से कई किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल पढ़ने आता था। नीरज के पिता एक किसान थे और मम्मी एक कुशल गृहिणी। वे दोनों खुद तो नहीं पढ़ पाये थे क्योंकि उनकी अपनी-अपनी पारिवारिक मजबूरी थी परन्तु वे अपने पुत्रा नीरज को खूब पढ़ाना-लिखना चाहते थे।

नीरज के माता-पिता चूंकि पढ़े लिखे नहीं थे, इसलिए उनके जीवन में ऐसे कई मौके आये जब उनकी समझ में यह बात अच्छी तरह से समझ में आ गयी कि पढ़ना आदमी के लिए बहुत जरूरी है। पढ़े-लिखे न होने के कारण कई अवसरों पर नीरज के माता-पिता को काफी नुकसान भी उठाना पड़ा। नीरज अपने माता-पिता की स्थिति को खूब समझता था, इसलिए वह खूब मन लगाकर पढ़ता था और अपनी कक्षा में हमेशा अच्छे अंकों से पास होता था।

नीरज के पिता की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि वे अपने लाड़ले पुत्रा को एक नई साइकिल खरीद कर दे पाते। उन्हें अपनी गरीबी पर इस बात के लिए कभी-कभी अफसोस भी आता था परन्तु बेचारे करते भी तो क्या करते। नीरज अपने माता-पिता के दुख और मजबूरी को समझता था और वह मन लगाकर खूब पढ़ता।

नीरज के स्कूल में उसकी ही कक्षा में एक और छात्रा संजय पढ़ता था जो स्कूल के पास ही रहता था। संजय के माता-पिता पढ़े लिखे तथा अमीर आदमी थे। उनका अपना बहुत-बड़ा व्यापार था। दर्जनों नौकर-चाकर थे। संजय अपने पाप के साथ रोज चमचमाती कार में स्कूल पढ़ने आता था और छुट्टी के समय फिर अपने पापा के साथ स्कूल से कार में ही वापस अपने घर जाता था।

संजय अमीर घर का लड़का होने के बाद भी पढ़ने लिखने में अच्छा था। वह अमीरी गरीबी के फर्क को तो नहीं मानता था परन्तु उसकी एक बहुत बुरी आदत थी झूठ बोलने की। अपनी इसी आदत के चलते वह पढ़ने में अच्छा होने के बाद भी अपने शिक्षकों के दिल में वह स्थान नहीं बना पया जो गरीब नीरज का था।

यों तो संजय और नीरज आपस में वह सबकी आंखों का तारा हो सकता है परन्तु संजय ने कभी नीरज की बात पर ध्यान नहीं दिया।

एक दिन संजय ने अपने एक साथी

काफी अच्छे दोस्त थे परन्तु संजय को यह बात अगर खटकती रहती थी कि स्कूल के शिक्षक नीरज को ज्यादा चाहते हैं और उसे कम। इसी वजह से संजय मन ही मन नीरज से ईर्ष्या रखने लगा।

नीरज ने संजय को हमेशा यही समझाया कि वह बहुत अच्छा लड़का है परन्तु उसकी एक बुरी आदत है झूठ बोलने की। अगर वह उसे छोड़ दे तो

का बस्ता स्कूल की छत के ऊपर जान-बूझकर छिपा दिया और उसे यह झूठ बोलकर काफी परेशान किया कि उसका बस्ता उसे देर से आने की सजा देने की एवज में मास्टरजी आफिस में उठा ले गये हैं।

संजय की इस बात को सच मानकर जब उस छात्रा ने ऑफिस में जाकर मास्टरजी को सारा हाल बताया तो मास्टरजी को बड़ा गुस्सा आया और उन्होंने संजय की खूब पिटाई की। संजय ने काफी देर बाद सच्चाई बतायी और स्कूल की छत पर उस छात्रा के छिपाकर रखे गये बस्ते को वापस ला कर दिया।

नीरज को यह सब बहुत बुरा लगा। उसने कई दिनों तक संजय से बात करनी बन्द कर दी। संजय इससे बहुत परेशान हो उठा। वह नीरज को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानता था। अब नया साल भी आने वाला था। स्कूल में नये साल के अवसर पर एक पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में सिर्फ वही छात्र भाग ले सकता था जिसे झूठ बोलने की आदत न हो।

संजय के बारे में सभी लोग यह जानते थे कि उसे झूठ बोलने की बहुत बुरी आदत है इसलिए उसका इस पार्टी में भाग लेना तो असंभव ही था परन्तु इस पार्टी में नीरज भी भाग नहीं लेगा, यह बात किसी की समझ में नहीं आयी। नये साल की पार्टी में नीरज भी भाग नहीं ले रहा है, यह जानकारी जब संजय को मिली तो वह हैरान रह गया। वह तुरन्त नीरज के पास पहुंचा और पार्टी में भाग में लेने का कारण पूछा।

इस पर नीरज ने संजय को बताया कि वह संजय को अपना सच्चा दोस्त मानता है परन्तु संजय को झूठ बोलने की आदत है। जब दोस्त ही झूठा हो तो उसका सच्चा दोस्त नये साल की पार्टी में भाग कैसे ले सकता है।

नीरज की बात सुनकर संजय सन्न रह गया और उसने संकल्प लिया कि अब वह कभी भी झूठ नहीं बोलेगा और हमेशा सच्चाई का साथ देगा। संजय के इस परिवर्तन को देखकर नीरज ने उसे गले से लगा लिया और दोनों फूट-फूटकर रो पड़े।

स्कूल के मास्टरजी चुपके से सारा माजरा देख और सुन रहे थे। वे संजय और नीरज के पास आये और बोले, 'तुम दोनों की दोस्ती वास्तव में सच्ची है और तुम दोनों स्कूल की नववर्ष पार्टी में हिस्सा जरूर लोगे।' मास्टरजी को आश्वासन पाकर नीरज और संजय खुशी के मारे उछल पड़े। (उर्वशी)

क्रिसमस का कैसा उपहार

नरेन्द्र देवांगन

एक गांव में पारस अपनी बेटी लता के साथ रहता था। लता जब छोटी थी, तभी उसकी मां चल बसी थी। पारस मुखौटे और कठपुतलियां बनाने का काम करता था। हर कोई उसकी कारीगरी देख कर दंग रह जाता था। उसके बनाए मुखौटों की बाजार में बहुत मांग थी।

24 दिसम्बर को लता का जन्मदिन था। इस बार पारस उसे बढ़िया-सा उपहार देना चाहता था पर क्या दे, समझ नहीं पा रहा था। अचानक उसके मन में एक योजना आई। लता के जन्मदिन के दूसरे दिन 25 दिसम्बर को क्रिसमस डे का त्योहार था। अतः उसने अपनी बेटी को सांता क्लाज का खिलौना और क्रिसमस ट्री सजा कर देने का निश्चय किया।

पारस चुपचाप जंगल में गया। उसने दो हरे-भरे पेड़ काट लाए। उसने दिन-रात मेहनत करके एक पेड़ को सुंदर सांता क्लाज के रूप वाला खिलौना बना दिया और दूसरे पेड़ को क्रिसमस ट्री जैसा सजा दिया। जन्मदिन से पहले रात के समय दोनों को घर के बाहर रख दिया।

अगले दिन उसने बेटी को बधाई दी। फिर उसे घर के बाहर ले आया। इतने सुंदर-सुंदर उपहारों को देख कर लता फूली न समाई।

पारस ने खिलौने से सुंदर संगीत सुनाने के लिए, उस पर नाक की तरह बने बटन को दबाया पर खिलौने से संगीत की जगह रोने की आवाज आने लगी।

कोई सिसक-सिसक कर कह रहा था, 'पारस, हम दोनों ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था जो तुमने हमको काट कर हमें अपने साथियों से जुदा कर दिया। अपनी बेटी को उपहार देने के लिए तुमने हम दो हरे-भरे पेड़ों को ही काट दिया। चाहते तो तुम यह सांता क्लाज वाला खिलौना किसी सूखे पेड़ से और क्रिसमस टी पेड़ की एक डाली तोड़ कर भी बना सकते थे।'

यह सुन कर पारस और लता बहुत दुखी हुए। लता बोली, 'पिताजी, मुझे ऐसा उपहार नहीं चाहिए जो किसी पेड़ की हत्या करके बनाया गया हो। इनमें भी हमारी तरह जान होती हैं।'

पारस ने मन ही मन प्रण किया कि अब वह कभी किसी पेड़ को नहीं काटेगा। पारस के गलती मान लेने पर लता खुशी से उसके गले लग गई। (उर्वशी)

न्यूज इन ब्रीफ

मतदाता सूची विवाद: अदालत ने सोनिया गांधी को याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए और समय दिया

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को उस याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए सात फरवरी तक का समय दे दिया, जिसमें मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के मामले में मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में इस आरोप की जांच कराने से इनकार कर दिया था कि गांधी का नाम 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल किया गया था। न्यायाधीश विशाल गोगने ने नौ दिसंबर को गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा था। मंगलवार को जब इस मामले पर सुनवाई शुरू हुई, तो गांधी के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख सात फरवरी तक का समय दे दिया।

विशेष अदालत ने राहुल गांधी की नागरिकता से संबंधित मामले पर दलीलें सुनीं

लखनऊ : लखनऊ की सांसद/विधायक अदालत में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले की मंगलवार को सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश आलोक वर्मा शिकायतकर्ता एस विग्नेश शिशिर की सुनवाई कर रहे हैं। शिशिर ने मंगलवार को इस मामले पर विस्तार से बहस करते हुए दावा किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी के पास दोहरी नागरिकता है और रायबरेली से लोकसभा सदस्य के रूप में उनका चुनाव रद्द किया जाना चाहिए। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता शिशिर ने भारतीय न्याय संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, विदेशी अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कई अपराधों के तहत शिकायत दर्ज कराई है। अदालत बुधवार को सुनवाई जारी रखेगी। यह शिकायत पहले रायबरेली में दर्ज की गई थी, लेकिन शिकायतकर्ता की इस दलील पर कि वहां उसकी जान को खतरा है, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच ने हाल में इस मामले को लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था।

पाकिस्तान के लिए अंबाला वायु सेना स्टेशन की जासूसी करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

अंबाला : हरियाणा पुलिस ने अंबाला वायुसेना स्टेशन की जासूसी करने और पाकिस्तान के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में मंगलवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी सुनील कुमार, अंबाला के साहा क्षेत्र के सबका गांव का निवासी है और पिछले सात महीनों से एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया मंच पर एक महिला के संपर्क में था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी वायुसेना स्टेशन में काम करने वाले एक ठेकेदार के संपर्क में भी था और अक्सर वहां आता-जाता था। पुलिस के मुताबिक, उसपर आरोप है कि उसने एक मोबाइल ऐप्लिकेशन के जरिए पाकिस्तानी महिला के साथ अपनी लोकेशन, फोटो और वीडियो साझा किए थे। पुलिस ने बताया कि वह महिला से लगातार चैट भी करता था और उसके मोहपाश (हनी ट्रैप) में फंसने का संदेह है।

सर्दी का कहर: हिमाचल के कुछ हिस्सों में पाइप में पानी जमा, दिल्ली में साल का पहला 'शीत दिवस'

नयी दिल्ली : उत्तर भारत में मंगलवार को कड़ाके की ठंड का प्रकोप देखने को मिला जहां पहाड़ी राज्यों में हिमपात के साथ राजधानी दिल्ली समेत कई इलाकों में तापमान गिर गया। राजधानी दिल्ली में इस साल का पहला 'शीत दिवस' दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की बारिश या हिमपात का अनुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्तिस्तान और मुजफ्फराबाद में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ जगहों

पर तापमान शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस के बीच और उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में कई जगहों पर पांच से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। हिमाचल प्रदेश में शीतलहर से कोई राहत नहीं मिली और मंगलवार को कई स्थानों में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु के करीब बना रहा जबकि ताबो में न्यूनतम तापमान शून्य से 10.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो सबसे कम तापमान था। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ताबो में रविवार को न्यूनतम तापमान के शून्य से 10.2 डिग्री सेल्सियस रहने के साथ ही साल की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई थी तथा सोमवार रात न्यूनतम तापमान और भी कम हो गया, जो शून्य से 10.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में पहाड़ियों में कई जगहों पर पाइपलाइन में पानी जम गया, जिससे पीने के पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई। ऊंचाई वाले आदिवासी और अन्य क्षेत्रों में आर्कटिक जैसी स्थिति देखी गई, जहां पारा हिमांक बिंदु से 12 से 18 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। कुकुमसेरी, कल्पा और नारकंडा में न्यूनतम तापमान क्रमशः शून्य से 7.1 डिग्री सेल्सियस नीचे, शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे और शून्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। जबकि रेकोंगपेओ, कुफरी, सोलन और सेओबाग में क्रमशः तापमान शून्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस नीचे, शून्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस नीचे, शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे और शून्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। अधिकारियों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के प्रशासन ने खराब मौसम की आशंका को देखते हुए जिले में 3,000 मीटर से अकिधिक ऊंचाई पर होने वाली सभी ट्रेकिंग गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। आईएमडी ने कहा कि राजधानी दिल्ली में बुधवार को भी 'शीत दिवस' की स्थिति के बने रहने का अनुमान है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा में शुरू होगी

चंडीगढ़ : देश में हाइड्रोजन से चलने वाली पहली ट्रेन हरियाणा में शुरू होने वाली है। हरियाणा सरकार द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि उत्तरी रेलवे की यह महत्वाकांक्षी परियोजना अंतिम चरण में है जिसके तहत जींद और सोनीपत के बीच हाइड्रोजन संचालित ट्रेन चलेगी। जींद में स्थापित हाइड्रोजन संयंत्र के लिए 11 केवी की निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। यह संयंत्र ट्रेन के नियमित संचालन के दौरान ईंधन प्रदान करेगा। इस परियोजना के लिए स्थापित हाइड्रोजन संयंत्र की भंडारण क्षमता 3,000 किलोग्राम है और यह अब चालू होने के अंतिम चरण में है। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना की समीक्षा की और निर्देश दिया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना में किसी भी प्रकार की बाधा को रोकने के लिए बिजली आपूर्ति प्रणाली की नियमित समीक्षा की जाए। पिछले महीने, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक लिखित बयान में कहा था कि भारतीय रेलवे ने प्रायोगिक तौर पर अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलाने के लिए एक अत्याधुनिक परियोजना शुरू की है।

प्रधानमंत्री मोदी मुझसे ज्यादा खुश नहीं हैं, क्योंकि भारत को अधिक शुल्क देना पड़ रहा है : ट्रंप

वॉशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि रूसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे 'ज्यादा खुश नहीं हैं।' ट्रंप ने 'हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट' में अपने संबोधन में यह भी दावा किया, ''प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और बोले, ''श्रीमान्, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं?' मैंने कहा, ''जी हां।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। वह मुझसे उतने खुश नहीं हैं, क्योंकि उन्हें काफी शुल्क देना पड़ रहा है। लेकिन, अब उन्होंने रूस से तेल का व्यापार काफी हद तक कम कर दिया है।'' 'हाउस जीओपी मेंबर रिट्रीट' अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन पार्टी सदस्यों की एक वार्षिक बैठक है। ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिसमें रूस से तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है। ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत ने उन्हें बताया है कि वह अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए पांच साल से इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे बदल रहे हैं। भारत ने 68 अपाचे हेलीकॉप्टर का ऑर्डर दिया है।

नोएडा में मोबाइल चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 821 फोन बरामद; छह लोग गिरफ्तार

नोएडा (उत्तर प्रदेश) : नोएडा पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश कर छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से चोरी के 821 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह विशेष अभियान के तहत सेक्टर-88 के पास से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रदीप कुमार, श्याम कुमार, भारती महतो, शेखर विशाल कुमार, गोविंदा महतो और रोहित सैनी के रूप में हुई है, जबकि दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया, ''आरोपियों के पास से चोरी के 821 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनमें 51 आईफोन और सैकड़ों अन्य महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं। इन सभी मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत लगभग दो करोड़ रुपये आंकी गई है।'' उन्होंने बताया, ''आरोपी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के भीड़भाड़ वाले इलाकों, खासकर साप्ताहिक बाजारों में लोगों को निशाना बनाते थे। पूछताछ में उन्होंने दो हजार से अधिक मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।'' अवस्थी ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी किए गए मोबाइल फोन किसे और कहां बेचे जाते थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जेएनयू में मोदी, शाह के खिलाफ विवादास्पद नारे लगाए गए, जांच शुरू

नयी दिल्ली : जेएनयू परिसर में हुए एक प्रदर्शन से उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब 2020 के दंगा मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को उच्चतम न्यायालय से जमानत नहीं मिलने के विरोध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने जोर देते हुए कहा कि किसी भी गैरकानूनी आचरण या राष्ट्रविरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सोमवार की घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आपत्तिजनक नारे लगाने वाले छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जेएनयू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मंगलवार को किये गए सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, विश्वविद्यालय नवाचार और नए विचारों के केंद्र हैं, और उन्हें नफरत की प्रयोगशालाओं में परिवर्तित होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है। उसने कहा, लेकिन किसी भी प्रकार की हिंसा, गैरकानूनी आचरण या राष्ट्रविरोधी गतिविधि को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना में शामिल छात्रों को भी अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, जिसमें तत्काल निलंबन, निष्कासन और विश्वविद्यालय से स्थायी रूप से प्रतिबंधित करना शामिल है।

असम: दो दिन के अभियान में 6,200 बीघा वन भूमि मुक्त कराई गई

तेजपुर/नगांव : असम सरकार ने मंगलवार को बुराचापोरी वन्यजीव अभ्यारण्य में लगभग 6,200 बीघा भूमि पर से कथित अतिक्रमण को हटाने के लिए एक बेदखली अभियान पूरा किया और इससे 710 परिवार प्रभावित हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोनितपुर जिला आयुक्त आनंद कुमार दास ने बताया कि सोनितपुर और नगांव जिलों में फैले जंगलों में अतिक्रमित भूमि को खाली कराने के लिए पांच जनवरी से बेदखली अभियान शुरू हुआ और मंगलवार शाम को यह पूरा हो गया। उन्होंने कहा, ''लगभग 710 परिवारों ने संरक्षित वन्यजीव अभ्यारण्य के भीतर लगभग 6,200 बीघा वन भूमि पर कब्जा कर लिया था और दो दिवसीय अभियान के दौरान, प्रशासन ने सभी अवैध कब्जाधारियों को सफलतापूर्वक बेदखल कर दिया तथा अतिक्रमित भूमि को मुक्त करा लिया।'' तेजपुर सदर और ढेकियाजुली राजस्व मंडल के अंतर्गत आने वाले जमुकटोल, अरीमारी, सियालीचर, बघेतापु, गलातिदुबी, लाठीमारी, कुंडुलिचर, पुरबा दुब्रामारी और बटुलिचर समेत कई क्षेत्रों में बेदखली की कार्रवाई की गई। यहां एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''लगभग 40 प्रतिशत भूमि को अतिक्रमणकारियों के चंगुल से मुक्त कराने के बाद, सोनितपुर जिला प्रशासन ने शेष भूमि पर बेदखली अभियान शुरू किया।'' वहां रहने वाले अधिकतर लोगों ने अपने घर ध्वस्त कर दिए थे और घरेलू सामान लेकर अन्य स्थानों पर चले गए थे, लेकिन भीषण ठंड के कारण कई अतिक्रमणकारी उक्त भूमि पर ही रुके रहे और प्रशासन से अपनी फसल काटने के लिए समय देने का अनुरोध किया।

पुलिस ने 200 करोड़ रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी में लिप्त गिरोह का भंडाफोड़ किया

पालघर : महाराष्ट्र पुलिस ने विदेशी मुद्रा और सोने के कारोबार से जुड़ी ऑनलाइन योजनाओं के जरिए सैकड़ों लोगों से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम देने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अब तक महाराष्ट्र से सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जो देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज 50 से अधिक आपराधिक मामलों से जुड़े हैं। पुलिस को संदेह है कि गिरोह के सरगना देश के बाहर से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते थे। मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जालसाज वैवाहिक वेबसाइट और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से विश्वास जीतकर पीड़ितों को निशाना बनाते थे। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी वाली योजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता था। उन्होंने बताया कि पुलिस को अहम सफलता 12 नवंबर, 2025 को तब मिली जब धोखाधड़ी की शिकायत की जांच करते हुए मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित 'शिवसाई रेजिडेंसी लॉज एंड बोर्डिंग' पर छापेमारी की गई। अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में धन शोधन और कर चोरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक खातों के जरिये अवैध धन प्राप्त करने की साजिश रचने के आरोप में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद से पुलिस सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सांस संबंधी परेशानी के बाद सोनिया अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

नयी दिल्ली : कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी को सांस संबंधी परेशानी के बाद यहां सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत ठीक है और उन्हें छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नियमित जांच के तहत उन्हें भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता को काफी समय से खांसी की समस्या है और वह समय-समय पर, खासकर शहर में प्रदूषण के कारण जांच के लिए आती रहती हैं। सूत्र ने बताया कि सोनिया गांधी को सोमवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी ने दिसंबर 2025 में ही अपना 79वां जन्मदिन मनाया था। सूत्र ने कहा, सोनिया गांधी को सांस संबंधी कुछ परेशानी की शिकायत थी और चिकित्सकीय जांच के बाद पता चला कि सर्दी के मौसम और वायु प्रदूषण के प्रभाव के कारण ''उनका ब्रोन्कियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था।'' उन्होंने बताया कि ऐहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

उत्तराखंड : हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर लग सकता है प्रतिबंध

देहरादून : सरकार हरिद्वार कुंभ क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने यहां मंगलवार को बताया कि इसकी कवायद चल रही है जिसके तहत हरिद्वार-ऋषिकेश के नगर निगम क्षेत्रों सहित पूरे कुंभ क्षेत्र को पवित्र सनातन नगरी घोषित किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्र में आने वाले सभी धार्मिक स्थानों तथा कुल 105 गंगा घाटों पर गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। हरिद्वार में हर की पौड़ी तथा आसपास के गंगा घाटों का प्रबंधन देखने वाली श्री गंगा सभा द्वारा हाल में इस संबंध में मांग उठायी गयी थी जिसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस संबंध में संकेत दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार, मां गंगा और साधु संतों का पूज्य स्थान है और वहां से इस संबंध में उठी मांग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार क्षेत्र की पवित्रता, देवत्व और मान्यताओं को बनाए रखने के लिए सभी पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है तथा इस संबंध में पुराने अधिनियमों को भी देखा जा रहा है। श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि जब सनातन हिंदुओं की आस्था के आधार पर इस क्षेत्र को 'कुंभ क्षेत्र' का नाम दिया गया है तो उसे हिंदू क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए ।

उज्जैन में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, चार घायल

उज्जैन : मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में बायपास रोड पर चंदेसरा गांव के पास मंगलवार तड़के एक जीप के ट्रक से टकरा जाने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। नागझिरी थाना प्रभारी कमल निगवाल ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब पांच बजे हुआ, जब तेलंगाना से महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं की जीप सड़क किनारे खड़े लोहे के सामान से लदे एक ट्रक से टकरा गई। थाना प्रभारी ने बताया कि जीप चालक जगन्नाथ (26) और एक यात्री, नरसिंघा (20) की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीसरे यात्री को गंभीर हालत में लगभग 50 किलोमीटर दूर इंदौर के एक अस्पताल में रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। तीसरे मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना में चार अन्य लोग घायल हो गए। पीड़ित तेलंगाना के नारायणपेट के निवासी थे और महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के बाद पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए रवाना होने वाले थे। निगवाल ने कहा कि यह दुर्घटना घने कोहरे के कारण हुई प्रतीत होती है।

गैर-कोयला खनन परियोजनाओं की पर्यावरण मंजूरी के लिये भूमि अधिग्रहण का प्रमाण देना अब अनिवार्य नहीं

नयी दिल्ली : पर्यावरण मंत्रालय के हालिया ज्ञापन के अनुसार, गैर-कोयला खनन परियोजना के विकासकर्ताओं को अब पर्यावरण मंजूरी के लिए भूमि अधिग्रहण का प्रमाण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। अब तक, मंत्रालय को भूमि अधिग्रहण का प्रमाण चाहिए होता था। इस नियम पर हालांकि पुनर्विचार किया गया क्योंकि यह अनुरोध किया गया था कि गैर-कोयला खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) प्रदान करते समय भूस्वामियों की सहमति पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए और भूमि अधिग्रहण की स्थिति को मंजूरी प्रदान करने से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मंत्रालय के एक आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया, मामले को गैर-कोयला खनन विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) के विचारार्थ भेजा गया था। विचार-विमर्श के बाद क्षेत्रीय ईएसी ने पाया कि गैर-कोयला खनन परियोजनाओं के लिए ईसी प्रदान करते समय भूस्वामियों से सहमति को अलग करने का अनुरोध उचित प्रतीत होता है और इसे स्वीकार किया जा सकता है।

अल्पसंख्यक कर्मचारियों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर दिल्ली में हुई अहम बैठक

नई दिल्ली : नई दिल्ली के जामिया नगर में मंगलवार को अल्पसंख्यक कर्मचारियों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सामिन अंसारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष - ऑल इंडिया माइनॉरिटी एम्प्लॉइज एंड पेंशनर्स एसोसिएशन (एआईएमईपीए) ने शेख निसार अहमद, राज्य अध्यक्ष - यूनाइटेड-तेलंगाना एम्प्लॉइज एसोसिएशन फॉर माइनॉरिटीज़ (युनाईटिड-टीम) और तेलंगाना से आए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात की। बैठक का मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक कर्मचारियों से जुड़े जटिल मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करना था। बैठक में तेलंगाना राज्य में अल्पसंख्यक कर्मचारियों को हो रही समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। विशेषकर आरक्षण नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन और अनुकंपा नियुक्तियों में हो रही खामियों पर गंभीर चर्चा हुई। सामिन अंसारी ने तंत्रात्मक सुधार, आरक्षण नीतियों के सख्त पालन और पूरे भारत में अल्पसंख्यक कल्याण संगठनों में समर्पित पदों/कैडर के गठन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर शेख निसार अहमद ने अनुकंपा नियुक्तियों में देरी, नियमों के विचलन और पारदर्शिता की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों को समय पर न्याय और आजीविका सहायता नहीं मिल रही। बैठक में दोनों नेताओं ने सर्वसम्मति से अल्पसंख्यक कर्मचारियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

हरियाणा: दस बेटियों की मां ने बेटे को जन्म दिया

चंडीगढ़ : हरियाणा के जींद जिले के उचाना कस्बे में दस बेटियों की मां ने एक बेटे को जन्म दिया है। यह मामला मातृत्व स्वास्थ्य और वंश बढ़ाने के लिए हर हाल में बेटा पाने की परिवारों की चाह को लेकर जारी चिंताओं के बीच सामने आया है। उचाना स्थित ओजस अस्पताल एवं प्रसूति केंद्र के डॉ. नरवीर श्योरान ने बताया कि यह एक जटिल मामला था, लेकिन उनकी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ पत्नी डॉ. संतोष ने सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया और जच्चा-बच्चा दोनों ठीक हैं। उन्होंने बताया कि 37 वर्षीय महिला को प्रसव पीड़ा उठने के बाद तीन जनवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने अगले दिन एक बेटे को जन्म दिया। डॉ. श्योरान ने बताया कि प्रसव प्रक्रिया के दौरान महिला को तीन यूनिट खून चढ़ाना पड़ा। उन्होंने बताया कि महिला शिशु के जन्म के अगले दिन यानी पांच जनवरी को पास के फतेहाबाद जिले स्थित अपने गांव लौट गई। महिला के पति संजय कुमार (38) ने कहा कि वह शादी के 19 साल बाद अपनी 11वीं संतान के रूप में एक बेटे का स्वागत करके फूला नहीं समा रहा है। उसने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर हुई बातचीत में बताया, मेरी शादी 2007 में हुई थी। मेरी और मेरी पत्नी की इच्छा थी कि हमारा एक बेटा हो। हमारी बेटियां भी अपने लिए भाई चाहती थीं। संजय ने कहा, मुझे खुशी है कि 10 बेटियों के जन्म के बाद आखिरकार हमें एक बेटा हुआ। उसने बताया कि उसकी दसों बेटियां स्कूल जाती हैं और सबसे बड़ी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ती है।

आधुनिक कोच, बेहतर सुविधाएं और किफायती किराया: आम यात्रियों पर केंद्रित भारतीय रेलवे

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे आम यात्रियों के लिए किफायती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं का तेज़ी से आधुनिकीकरण कर रहा है। निरंतर निवेश, तकनीकी नवाचार और परिचालन सुधारों के जरिए रेलवे ने जनरल और गैर-एसी यात्रा को सुदृढ़ किया है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस जनरल और नॉन-एसी कोचों का रिकॉर्ड उत्पादन किया गया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 4,838 नए एलएचबी जीएस और नॉन-एसी कोचों का उत्पादन प्रस्तावित है, जबकि 2026-27 में 4,802 एलएचबी कोच तैयार किए जाएंगे। इससे यात्री क्षमता बढ़ेगी और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार होगा। त्योहारों और मौसमी भीड़ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 2025 में 43,000 से अधिक विशेष रेल यात्राएं चलाई गईं। इनमें महाकुंभ, होली, ग्रीष्मकालीन अवकाश और छठ पूजा के लिए विशेष ट्रेनें शामिल रहीं। इससे भीड़ नियंत्रण और सुगम आवाजाही में उल्लेखनीय मदद मिली।स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की तर्ज पर देशभर के 76 स्टेशनों पर यात्री प्रतीक्षा क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। नई दिल्ली के प्रतीक्षा क्षेत्र में लगभग 7,000 यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है, जहां शौचालय, टिकट काउंटर, स्वचालित टिकट मशीन और मुफ्त पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन्हें 2026 के त्योहारी सीजन से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। टिकट प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए आधार सत्यापन को अनिवार्य किया गया है। केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ता ही तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं। अवैध बुकिंग रोकने के लिए की गई कार्रवाई में 5.73 करोड़ संदिग्ध और निष्क्रिय आईआरसीटीसी खाते निलंबित किए गए हैं। यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 2025-26 में सुरक्षा बजट लगभग तीन गुना बढ़ाकर 1,16,470 करोड़ किया गया है। इसके चलते ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या में बड़ी कमी आई है। वहीं, 30 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन से नॉन-एसी यात्रियों को किफायती किराए पर बेहतर सेवाएं मिल रही हैं। नमो भारत रैपिड रेल सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भी मजबूत हुई है। कुल मिलाकर, भारतीय रेलवे आधुनिक, समावेशी और यात्री-केंद्रित परिवहन प्रणाली के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टीम की कप्तानी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिलती है : दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा

नयी दिल्ली: भारत की विश्व कप विजेता महिला टीम की स्टार जेमिमा रौड्रिग्स ने कहा कि उन्हें कप्तानी में मजा आता है और भविष्य में भारत की कप्तानी का मौका मिले तो वह पूरे मनोयोग से उसे स्वीकार करेंगी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर महिला विश्व कप जीता था जिसमे जेमिमा ने सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। अब वह शुक्रवार से शुरू हो रही महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान होंगी। जेमिमा ने कहा ,'मुझे हमेशा से कप्तानी में मजा आता है। मैने अपने प्रदेश की टीम की कप्तानी की है और चैलेंजर ट्रॉफी में भी। मुझे लगता है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाती हूं क्योंकि मोर्चे से अगुवाई करनी होती है।'

मुस्तफिजुर को मुआवजा मिलने की संभावना नहीं

कोलकाता: बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ अपने अनुबंध को समाप्त करने में कोई भूमिका नहीं होने के बावजूद किसी भी प्रकार का वित्तीय मुआवजा मिलने की संभावना नहीं है। केकेआर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देशों पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। मुस्तफिजुर को आईपीएल नीलामी में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं पर हाल ही में हुए अत्याचारों के मद्देनजर टीम से बाहर किया गया। यह एक ऐसा घटनाक्रम रहा जिसने भारतीय बोर्ड को हस्तक्षेप करने के लिए प्रेरित किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस पर कड़ा रवैया अपनाते हुए भारत में होने वाले अपने टी20 विश्व कप के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग की है।

आईएसएल 14 फरवरी से, सभी क्लब भाग लेंगे : खेलमंत्री मनसुख मांडविया

नयी दिल्ली: भारतीय फुटबॉल में पिछले छह महीने से चल रही अनिश्चितता की स्थिति को समाप्त करते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की कि वाणिज्यिक साझेदार नहीं मिलने के कारण स्थगित हुई इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 14 फरवरी से शुरू होगी। अब तक सितंबर में शुरू होने वाली लीग में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल समेत सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। इन दोनों क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा सुझाये गए वित्तीय मॉडल का विरोध किया था वहीं इन्हीं कारणों से रूकी हुई आई लीग भी उसी समय शुरू होगी जिसमें 11 क्लब भाग लेंगे। मांडविया ने यहां एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) और आईएसएल क्लबों के बीच यहां भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय पर हुई बैठक के बाद मीडिया को बताया, 'इंडियन सुपर लीग 14 फरवरी से होगी जिसमें सभी क्लब भाग लेंगे। आज सरकार, एआईएफएफ और मोहन बागान तथा ईस्ट बंगाल समेत सभी 14 क्लबों के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि लीग 14 फरवरी से शुरू होगी और सभी क्लब भाग लेंगे' उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ समय से भारतीय फुटबॉल को लेकर अदालत में चल रहे विवाद के कारण आईएसएल आयोजन को लेकर जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी उस पर अब विराम लग गया।' एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बताया, 'आईएसएल के संचालन के लिए संचालन परिषद बोर्ड का गठन होगा जो सारे वाणिज्यिक फैसले लेगा आईएसएल में 14 टीमों के 91 मैच एक चरण में होम (घरेलू) और अवे (प्रतिद्वंद्वी टीम का घरेलू मैदान) आधार पर खेले जायेंगे।' चौबे ने कहा कि मैच कहां होंगे, यह क्लब एआईएफएफ के साथ मिल कर तय करेंगे। उन्होंने कहा, 'आई लीग में 11 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे जो आईएसएल के साथ ही आरंभ होगी।' उन्होंने बताया कि आईएसएल के संचालन लिए 25 करोड़ रुपये का पूल बनाया गया है जिसमें 10 प्रतिशत एआईएफएफ, 15 प्रतिशत क्लब, 30 प्रतिशत व्यावसायिक साझेदार वहन करेंगे।

जम्मू कश्मीर ने प्लेट ग्रुप में विजय मर्चेंट ट्रॉफी के साथ पहली बार जीता बीसीसीआई खिताब

सूरत: जम्मू कश्मीर की अंडर-16 टीम ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी प्लेट ग्रुप के फाइनल के तीसरे दिन मंगलवार को यहां मिजोरम को पारी और 182 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए बीसीसीआई के किसी टूर्नामेंट का पहला खिताब है।इस चार दिवसीय मुकाबले में जम्मू कश्मीर ने एक दिन शेष रहते जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी पहली बार जीतने पर अंडर-16 क्रिकेट टीम को बधाई दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, 'शानदार जीत और एक ऐतिहासिक बीसीसीआई खिताब। यह जम्मू-कश्मीर की उभरती क्रिकेट प्रतिभा को दर्शाती है।' मैच में जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 300 रन की बढ़त हासिल की। मिजोरम की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 रन पर ऑलआउट हो गई थी, जिसके जवाब में जम्मू-कश्मीर ने 95.1 ओवर में 400 रन बनाये। कप्तान एस. खजूरिया ने जम्मू-कश्मीर की ओर से 174 गेंदों में 15 चौके और एक छक्का की मदद से 102 रन बनाए। अथर्व शर्मा ने 137 गेंदों में नाबाद 92 रन की पारी के दौरान 17 चौके तथा एक छक्का जड़ा। जम्मू कश्मीर के गेंदबाजों ने इसके बाद मैच के तीसरे दिन मिजोरम की टीम को दूसरी पारी में 42.4 ओवर में 118 रन पर समेट दिया। जम्मू कश्मीर की ओर सेसनील सिंह ने तीन जबकि जसकरण सिंह और हम्माद फिरदौस ने दो-दो विकेट लिये।

लक्ष्य सेन मलेशिया ओपन के दूसरे दौर में, मालविका बाहर

कुआलालंपुर: भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद मंगलवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में पराजित करके मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाकर नए सत्र की शानदार शुरुआत की। पिछले सत्र के आखिर में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सेन ने मलेशिया ओपन में विश्व रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 70 मिनट में 21-16 15-21 21-14 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव या हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने के अंतराल के बाद वापसी करने वाली मालविका बंसोड़ को महिला एकल में हालांकि पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

आईओए के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे सुरेश कलमाड़ी का निधन

पुणे: भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व अध्यक्ष और अनुभवी खेल प्रशासक सुरेश कलमाड़ी का मंगलवार तड़के यहां के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। कलमाड़ी के परिवार में उनकी पत्नी, बेटा और बहू, दो विवाहित बेटियां और दामाद, साथ ही पोते-पोतियां शामिल हैं। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका निधन सुबह लगभग 3.30 बजे हुआ। दो दशकों से अधिक समय तक भारतीय खेल प्रशासन में एक प्रभावशाली हस्ती रहे कलमाड़ी ने 1996 से 2011 तक आईओए के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इस तरह से वह देश की सर्वोच्च खेल संस्था का लंबे समय तक अध्यक्ष बने रहने वाले व्यक्तियों में से एक बन गए। कलमाड़ी का जन्म 1944 में हुआ था। उन्होंने भारतीय वायु सेना में लड़ाकू पायलट के रूप में अपना पेशेवर जीवन शुरू किया तथा राजनीति और खेल प्रशासन में प्रवेश करने से पहले 1965 और 1971 के युद्ध का हिस्सा रहे थे। उन्होंने कांग्रेस नेता के रूप में कई बार लोकसभा में पुणे का प्रतिनिधित्व किया और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी कार्य किया। इसके अलावा उन्होंने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं में विभिन्न पदों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईओए के अध्यक्ष के रूप में कलमाड़ी का उस दौर में बहुत अधिक प्रभाव था जब भारतीय खेल वैश्विक स्तर पर अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराने के प्रयास में लगे हुए थे।

भारतीय महिलाओं को भविष्य में हराना मुश्किल होगा : एशले गार्डनर

मुंबई: एशले गार्डनर का मानना है कि आस्ट्रेलिया इस समय महिला क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ टीम है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दशक में वनडे विश्व चैम्पियन भारतीय टीम को हराना काफी मुश्किल होगा। पिछले साल महिला विश्व कप सेमीफाइनल में भारत से हारी आस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रही गार्डनर ने कहा कि हरमनप्रीत कौर की टीम के प्रदर्शन में जबर्दस्त सुधार आया है। नौ जनवरी से शुरू हो रही महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाइंट्स के लिये खेल रही गार्डनर ने कहा ,'भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बहुत मुश्किल होगा।' उन्होंने कहा ,'आस्ट्रेलियाई होने के नाते मैं इससे भयभीत हूं लेकिन यहां खेल का तेजी से विकास देखकर अच्छा लग रहा है।' गार्डनर का मानना है कि आस्ट्रेलिया अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। उन्होंने कहा ,'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत की बानगी देते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जायेंगे। भारत से मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी खतरनाक हो सकती है।' महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में भारत की विश्व कप विजेता टीम में से सिर्फ तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर है लेकिन उनके पास बेथ

आईसीसी टी20 रैंकिंग: हरमनप्रीत ने दो स्थान का सुधार किया, दीप्ति शीर्ष से खिसकी

दुबई: भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में तिरुवनंतपुरम में खेले गए आखिरी मुकाबले में मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 की नवीनतम रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के सुधार के साथ 13वें पायदान पर पहुंच गयी। भारत ने इस मैच को 15 रन से जीत कर 30 दिसंबर को समाप्त हुई श्रृंखला में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। हरमनप्रीत को इस मैच में 43 गेंदों में 68 रन की शानदार पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वह इस पारी के बाद रैंकिंग में शीर्ष 10 के और करीब पहुंच गयी हैं। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा क्रमशः तीसरे और छठे स्थान पर बरकरार है जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी ने शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। जेमिमा रोड्रिग्स हालांकि शीर्ष 10 से बाहर हो कर 12वें स्थान पर खिसक गयी है। दीप्ति शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान से नीचे आ गयी है। पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनका 28 रन पर एक विकेट लेना ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को शीर्ष पर पहुंचने से रोकने के लिए काफी नहीं था। दीप्ति रेटिंग अंक के मामले में सदरलैंड (736) से सिर्फ एक अंक पीछे हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय बायें हाथ की स्पिनर श्री चरनी पांच पायदान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गयी।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने से अब तक भारत ने रूस से 144 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा: रिपोर्ट

नयी दिल्ली: भारत ने यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से रूस से लगभग 144 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल आयात किया है। यूरोपीय शोध संस्थान सीईआरए ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीईआरए) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2022 से वैश्विक तेल बिक्री से रूस को लगभग 1,000 अरब यूरो की कुल आय हुई है। इस दौरान चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा है। चीन ने फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से 210.3 अरब यूरो मूल्य का रूसी तेल, 42.7 अरब यूरो मूल्य का कोयला और 40.6 अरब यूरो मूल्य की गैस खरीदी है। युद्ध की शुरुआत से लेकर तीन जनवरी, 2026 तक चीन की रूस से कुल ऊर्जा खरीद 293.7 अरब यूरो रही है। सीईआरए के अनुसार, इस अवधि में भारत ने रूस से 162.5 अरब यूरो मूल्य के जीवाश्म ईंधन खरीदे हैं। इनमें 143.88 अरब यूरो मूल्य का तेल और 18.18 अरब यूरो मूल्य का कोयला शामिल है। वहीं, यूरोपीय संघ ने रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदने पर 218.1 अरब यूरो खर्च किए। इसमें 106.3 अरब यूरो तेल पर, 3.5 अरब यूरो कोयले पर और 108.2 अरब यूरो गैस पर खर्च किए गए। सीईआरए ने कहा, रूस ने 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर हमला शुरू होने के बाद से जीवाश्म ईंधन की वैश्विक बिक्री से जनवरी 2026 तक 1,000 अरब यूरो से अधिक की कमाई की है। और इसका उपयोग यूक्रेन युद्ध में किया जा रहा है। रूस के यूक्रेन पर हमले से नाराज होकर जी-7 समूह (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जापान, इटली, फ्रांस और जर्मनी) और यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण लागू कर दिए।

जयपुर में जल्द स्थापित होगा डेटा सेंटर: अश्विनी वैष्णव

जयपुर: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि जयपुर में जल्द डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विनिर्माण के लिए 5,000 युवाओं को प्रशिक्षण दिए जाने की घोषणा भी की। वैष्णव ने यहां 'एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर' में आयोजित 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट' के समापन सत्र को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने कृत्रिम मेधा (एआई) का सूचकांक जारी किया है, जिसमें भारत को शीर्ष तीन देशों में जगह मिली है। यह देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा, 'चीन, अमरीका और भारत शीर्ष तीन देशों में शामिल हैं। भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ी ताकत है। उसमें राजस्थान की बहुत बड़ी भूमिका है। ऐसे में आईटी उद्योग को इस नए युग के लिए तैयार करना, नई प्रौद्योगिकी के लिए सक्षम बनाना और छात्रों को इस उद्योग के लिए तैयार करना बहुत बड़ी भूमिका है।' उन्होंने कहा,' आज 10 लाख नौजवानों को एआई कौशल में प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम राजस्थान से आरंभ हुआ है। इसका लाभ देश के सभी नौजवानों को मिलेगा।' वैष्णव ने कहा, 'इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विनिर्माण के लिए 5000 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। लघु उद्योग भारती, सीआईआई और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का सबसे बड़ा संगठन आईसीई मिलकर इस कार्यक्रम को तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा जयपुर में जल्द डेटा सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।' उन्होंने राजस्थान में एआई और मशीन लर्निंग नीति लागू करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस नीति से राजस्थान को बहुत लाभ मिलेगा और आने वाले समय में राज्य बहुत बड़ा प्रौद्योगिकी केंद्र बनेगा। रेल मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले वैष्णव ने कहा, 'सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए एक नया रेल नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। इसका काम चल रहा है। बीकानेर से जैसलमेर होते हुए भीलड़ी तक रेलवे का काम चल रहा है।' इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में तकनीकी स्टार्टअप का बेहतर परिवेश विकसित करने के लिए सरकार विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। आज राजस्थान ई-गवर्नेंस और डिजिटल समावेश से आगे बढ़कर एआई में अग्रणी बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

न्यूज अपडेट

सोना 1,100 रुपये बढ़कर 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

नयी दिल्ली: दिल्ली के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत में लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 1,100 रुपये बढ़कर 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मजबूत वैश्विक रुख के साथ सोने के दाम में तेजी आई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। सोमवार को, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,40,400 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। सर्राफा संघ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 1,100 रुपये बढ़कर 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में भी लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही और यह 7,000 रुपये बढ़कर 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों को मिलाकर) हो गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 11.45 डॉलर यानी 0.26 प्रतिशत बढ़कर 4,460.49 डॉलर प्रति औंस हो गया।

रुपया 12 पैसे चढ़कर 90.18 प्रति डॉलर पर

मुंबई: रुपये की विनिमय दर में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर मंगलवार को विराम लगा और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे चढ़कर 90.18 (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर सूचकांक में गिरावट के बीच रुपया मजबूत हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख और अमेरिका तथा वेनेजुएला के बीच तनाव ने घरेलू मुद्रा में तेज बढ़त पर अंकुश लगाया।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने संबंधी प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करने वाली इकाइयों को मामला-दर-मामला आधार पर प्रोत्साहन देने संबंधी प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करने वाली इकाइयों को 'मामला-दर-मामला' आधार पर प्रोत्साहन देने सम्बन्धी प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने सहमति दे दी है। उन्होंने बताया कि इस प्रोत्साहन में ब्याज सब्सिडी, कर्मचारी लागत प्रतिपूर्ति, राज्य वस्तु एवं सेवा कर में 10 साल तक की छूट, उत्तर प्रदेश के निवासी पेशेवर लोगों को अधिकतम दो हजार रुपये प्रतिमाह कर्मचारी भविष्य निधि की 100 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति, जल शुल्क में छूट और बिजली के बिल में भी डेढ़ रुपए प्रति यूनिट की प्रतिपूर्ति 10 साल के लिये दिये जाने की व्यवस्था है। खन्ना ने बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 14 प्रस्ताव आए थे उनमें से एक ई-स्टांपिंग वाला प्रस्ताव स्थगित हो गया।

भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र में सुधार और विकास की राह पर कदम: कमलेश राव

कोलकाता, समाज्ञा : वर्ष 2025 भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। ऐसा इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी के चेयरपर्सन कमलेश राव ने अपने दृष्टिकोण में बताया। उन्होंने कहा कि सरेंडर वैल्यू नियमों में हुए सकारात्मक बदलाव, जीएसटी छूट और 'बीमा सुगम' पोर्टल की शुरुआत जैसी पहलों ने जीवन बीमा को सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राव ने आगे कहा कि वर्तमान में जीवन बीमा की मांग मुख्य रूप से सुरक्षा, एन्यूटी और बचत उत्पादों पर केंद्रित है। जैसे-जैसे भारतीय परिवार अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं में सुरक्षा और रिटायरमेंट समाधानों को महत्व दे रहे हैं, इन उत्पादों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होगी। वर्ष 2026 में बीमा कंपनियों द्वारा और अधिक सशक्त और नवोन्मेषी उत्पाद पेश किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि एफडीआई नियमों में ढील के बाद अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रवेश से प्रतिस्पर्धा और सहयोग बढ़ेगा, जिससे जीवन बीमा समाधानों की पहुँच और दक्षता में सुधार होगा। अनुकूल नियामक माहौल, डिजिटल प्रगति और बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता के चलते 2026 में बीमा क्षेत्र में नए विकास दौर की संभावना है।

प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार लगातार दूसरे दिन टूटा, सेंसेक्स 376 अंक कमजोर

मुंबई: वैश्विक स्तर पर तनाव और अमेरिकी शुल्क बढ़ने की चिंताओं के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज एवं एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में भारी बिकवाली से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स में 376 अंक की गिरावट रही जबकि निफ्टी करीब 72 अंक फिसल गया। विश्लेषकों के मुताबिक, एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बावजूद भारत पर शुल्क बढ़ाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई चेतावनी से निवेशकों ने सतर्कता बरती। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 376.28 अंक यानी 0.44 प्रतिशत टूटकर 85,063.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 539.52 अंक तक लुढ़ककर 84,900.10 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 71.60 अंक यानी 0.27 प्रतिशत गिरकर 26,178.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टाटा समूह की कंपनी ट्रेंट के शेयर में 8.62 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। दिसंबर तिमाही में कंपनी की राजस्व वृद्धि के आंकड़े निवेशकों को उत्साहित करने में नाकाम रहे हैं। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 4.42 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंटरग्लोब एविएशन और एचडीएफसी बैंक भी नुकसान में रहे।

सीसीआई ने दो कंपनियों को रक्षा निविदाओं में साठगांठ कर बोली लगाना बंद करने को कहा

नयी दिल्ली: भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने रक्षा खरीद निविदा में साठगांठ कर बोली लगाने का दोषी पाए जाने के बाद लुधियाना स्थित दो कंपनियों को प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिया है। यह कार्यवाही आयुध सेवा महानिदेशालय की आयुध शाखा के मास्टर जनरल के सीपी सेल द्वारा अधिनियम की धारा 19(1)(बी) के तहत दायर एक अपील के बाद की गई। इसमें आरोप लगाया गया था कि लुधियाना स्थित कंपनियों केकेके मिल्स और संकेश्वर सिंथेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक समझौते किया है जिसके परिणामस्वरूप ऊनी 'अंडरपैंट' की खरीद के लिए निविदा में मिलीभगत से बोली लगाई गई।

आरबीआई ने बैंकों के लिए शुद्ध लाभ के 75 प्रतिशत तक ही लाभांश वितरण का प्रस्ताव रखा

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को बैंकों द्वारा शेयरधारकों को दिए जाने वाले लाभांश की सीमा तय करने का प्रस्ताव रखा। इसके तहत कोई भी बैंक अपने शुद्ध लाभ के 75 प्रतिशत से अधिक लाभांश नहीं दे पाएगा। रिजर्व बैंक 'लाभांश' को इक्विटी शेयरों पर देय राशि के रूप में परिभाषित करता है और इसमें अंतरिम लाभांश शामिल है। लेकिन स्थायी गैर-संचयी तरजीही शेयरों पर दिया जाने वाला लाभांश शामिल नहीं है। प्रस्तावित नियम सभी भारतीय बैंकों पर लागू होगा, जबकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं स्थानीय क्षेत्रीय बैंकों के लिए यह सीमा 80 प्रतिशत होगी। आरबीआई ने इस मसौदे में कहा कि लाभांश देने से पहले बैंक के निदेशक मंडल को दीर्घावधि वृद्धि योजना और पूंजी की स्थिति को ध्यान में रखना होगा। इसके अलावा बैंक जिस अवधि के लिए लाभांश देने का प्रस्ताव रख रहा है उस दौरान बैंक के शुद्ध लाभ का सकारात्मक होना जरूरी है।

रूस से तीन सप्ताह से तेल नहीं मिला, जनवरी में भी मिलने की उम्मीद नहीं: रिलायंस

नयी दिल्ली: रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसे रूस से करीब तीन सप्ताह से तेल का कोई बैरल नहीं मिला है और जनवरी में भी इसके प्राप्त होने की कोई उम्मीद नहीं है। रिलायंस ने 20 नवंबर 2025 को कहा था कि उसने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों का अनुपालन करने के लिए गुजरात के जामनगर स्थित अपनी निर्यात-विशिष्ट रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का उपयोग बंद कर दिया है। इससे पहले रिलायंस, भारत में रूसी तेल की सबसे बड़ी खरीदार थी जिसे वह जामनगर स्थित अपने विशाल तेल शोधन परिसर में संसाधित करके पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में तब्दील करती थी। इस परिसर में दो रिफाइनरियां हैं। एक विशेष क्षेत्र (एसईजेड) इकाई जहां से यूरोपीय संघ, अमेरिका तथा अन्य बाजारों में ईंधन निर्यात किया जाता है और एक पुरानी इकाई जो मुख्य रूप से घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करती है। यूरोपीय संघ, रिलायंस के लिए एक बड़ा बाजार है और उसने रूस के ऊर्जा राजस्व को लक्षित करते हुए व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं जिनमें रूसी कच्चे तेल से उत्पादित ईंधन के आयात और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने वाले उपाय भी शामिल हैं। इन शर्तों का पालन करने के लिए, रिलायंस ने अपने केवल निर्यात के लिए बने (एसईजेड) रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण बंद कर दिया था। कंपनी ने 'ब्लूमबर्ग' की उस रिपोर्ट को मंगलवार को 'पूरी तरह से असत्य' बताया जिसमें दावा किया गया था कि ' रूसी तेल से लदे तीन जहाजों को रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के लिए तैयार किया जा रहा है।' रिलायंस ने बयान में कहा, 'रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी को पिछले करीब तीन सप्ताह से रूसी तेल की कोई खेप नहीं मिली है और जनवरी में भी रूसी कच्चे तेल की कोई आपूर्ति मिलने की उम्मीद नहीं है।' 'ब्लूमबर्ग' एक वैश्विक मीडिया एवं वित्तीय सूचना कंपनी है जो व्यापार, अर्थव्यवस्था, वित्तीय बाजार एवं नीति से जुड़ी विश्वसनीय खबरें व डेटा प्रदान करती है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में आंकड़ा विश्लेषक कंपनी 'केप्लर' के हवाले से कहा गया था कि करीब 22 लाख बैरल यूराल (रूसी कच्चे तेल का एक प्रकार) से लदे कम से कम तीन टैंकर सिक्का बंदरगाह की ओर जा रहे थे जिसके माध्यम से जामनगर रिफाइनिंग परिसर अपने कच्चे तेल के आयात का एक बड़ा हिस्सा प्राप्त करता है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3466 अंक 276, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित। सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in